अवधि की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–225 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 14 दिसम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

नहरों में पानी न आने पर किसानों की बड़ी मुश्किले

हरदोई। इन दिनों नहर में पानी न आने से किसानों की फसल सूखने लगी है। सरसों आलू गेहूं व अन्य फसलों कीसिंचाई करने के लिए किसान परेशान हो रहे हैं सुरसा क्षेत्र के सभी नहरों में इस समय पानी भरा होना चाहिए था लेकिन नहर और माइनरों के किनारे खेती करने वाले किसानो ने मुफ्त सिंचाई करने की उम्मीद लगाई थी जिससे आसानी से फसल की सिंचाई का लाभ मिल सके लेकिन लम्बे समय तक नहर में पानी न आने से किसानों की फसल सूखने लगी इधर किसान नन्हे लाल रामौतार रमेश चंद्र सरवन कमलेश कुमार सुन्दर लाल ने बताया कि नहरों में पानी रहने से पानी का वाटर लेविल का जलस्तर ठीक रहेता लेकिन पंपिंग सेट से सिंचाई करने के लिए मंहगे दामों में डीजल खरीद कर सिंचाई करना बहुत मुश्किल पड़ रहा है इधर ग्रामीण क्षेत्रों में टूयूबवेल एवं पंपिंग सेट से किराये पर सिंचाई कराने के लिए दोसौ रुपए प्रति घंटा के हिसाब से किसानों को देना पड़ा है जिससे फसल को तो बचाया जा सकता है लेकिन गरिब किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है इधर नहर विभाग के अधिकारी भी किसानो की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बसों के लोड फैक्टर की क्षेत्रीय स्तर पर की जाय समीक्षा

50 प्रतिशत से कम लोड फैक्टर की स्थिति में रात्रिकालीन बसों का न करें संचालन–एमडी

लखनऊ। परिवहन निगम की कोई भी बस सेवा 50 प्रतिशत लोड फैक्टर से कम पर संचालित न हों, इस सम्बंध में मुख्यालय से पत्र भी जारी किया जा चुका है। इसके बावजूद पाया गया है कि क्षेत्रीय स्तर पर उचित समीक्षा न होने के कारण बहुत से क्षेत्रों से कम लोड फैक्टर पर बसें संचालित हो रही हैं। इस सम्बंध में प्रबंध निदेशक परिवहन निगम मासूम अली सरवर ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि अपने अधीन प्रत्येक डिपो की दिल्ली को प्रस्थान करने वाली समस्त बसों की समीक्षा कर मुख्यालय को 22 दिसम्बर तक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।प्रबंध निदेशक ने बताया कि देखा गया है कि दिल्ली से आने वाली अधिकांश बसों का लोड फैक्टर तो बेहतर रह रहा है, परन्तु दिल्ली को प्रस्थान करने वाली बसों का लोड फैक्टर औसत से भी कम है। उन्होंने कहा कि रात्रिकालीन सेवाओं में 50 प्रतिशत लोड फैक्टर से कम की स्थिति में बसों का संचालन न हो। सभी नोडल अधिकारी सुनिश्चित करके ही बसों को रवाना करें। उन्होंने कहा कि नवसंचालित सेवाओं को व्यवहार्य बनाने के लिए दो माह की समयावधि तक की छूट प्रदान की गयी है, जिससे कि लोड फैक्टर में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। 50 प्रतिशत से ऊपर लोड फैक्टर पर ही बसों को संचालित करें। दोषी पाये जाने पर अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

लोकसभा चुनाव से पहले योगी सरकार का बड़ा दांव, यूपी पुलिस में निकाली बंपर भर्ती

लखनऊ। अगर आप यूपी पुलिस में जाने का सपना देख रहे तो आपके लिए खुशखबरी है। योगी सरकार ने यूपी पुलिस में बंपर भर्ती निकाली है। यूपी में पुलिस कांस्टेबल पदों पर भर्तियों का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। आवेदन प्रक्रिया कल, 14 दिसंबर 2023 से शुरू होगी और

1 जनवरी 2024 तक चलेगी। आवेदन उत्तर प्रदेश पुलिस प्रोन्नति बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in पर जाकर ऑनलाइन करना होगा। नागरिक पुलिस और पीएससी में खेल कोटे के तहत कुल 546 खाली पदों पर भर्तियों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इन पदों में आरक्षी नागरिक पुलिस के 372 और आरक्षी पीएसी के 174 शामिल हैं। इन भर्ती के तहत आवेदन करने वाले युवा का किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना अनिवार्य हैं। साथ ही अभ्यर्थी के पास नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर संबंधित खेल प्रतियोगिता का प्रमाणा पत्र भी होना चाहिए। अधिक योग्यता संबंधी जानकारी के लिए कैंडिडेट डिटेल नोटिफिकेशन को चेक कर सकते हैं। 1 जुलाई 2023 को 18 वर्ष हो और 22 वर्ष से अधिक न हो. नियमानुसा आयु सीमा में अभ्यर्थियों को छूट भी दी जाएगी। आवेदन करने वाले सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को 400 रुपए आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। एप्लीकेशन फीस चालान के माध्यम से जमा किया जाएगा।

चयन खेल कौशल परिक्षण के जरिए तैयारी की गई मेरिट के जरिए किया जाएगा। आवेदन के समय नोटिफिकेशन में बताए गए सभी प्रमाण पत्र अपलोड करने होंगे। आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद सभी प्राप्त आवेदकों का वेरिफिकेशन किया जाएगा। उसके बाद नियमानुसार चयन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ जनवरी, 2024 में 62, 624 पदों के लिए वैकेंसी जारी की जाएगी। इनमें कॉन्स्टेबल के 52,699 पद हैं। ऑनलाइन आवेदन जनवरी के पहले हफ्ते से किया जा सकता है। कॉन्स्टेबल के अलावा जेल वॉर्डर के 2833, सब इंस्पेक्टर के 2469, रेडियो ऑपरेटर के 2430, लिपिक संपर्क पद के 545, कंप्यूटर ऑपरेटर के 472, कंप्यूटर प्रोग्रामर के 55 और कुशल खिलाड़ी कोटे से 521 पदों पर भर्ती होनी है। बताया जा रहा है कि जनवरी के पहले हफ्ते में यूपी पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड नोटिफिकेशन जारी कर सकता है। इसके लिए विभाग के ऑफिशियल वेबसाइट https://uppbpb.gov.in/ पर जाना होगा।

मो ऐप के जरिए 2 करोड लोगों तक पहुंचेगी भाजपा,

प्रदेश स्तरीय बैठक में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा

लखनऊ, (यूएनएस)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर लखनऊ के गोमती नगर में स्थित सीएमएस स्कूल में बीजेपी की बड़ी बैठक बुलाई गई। प्रदेश स्तरीय इस बैठक की अध्यक्षता बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने की। वही इस बैठक उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी समेत सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। बीते 7 दिसंबर को पीएम मोदी ने नमो ऐप पर विकसित भारत एंबेसडर की स्कीम को लॉन्च किया। जिसको लेकर बुलाई गई प्रदेश स्तरीय बैठक में बताया जाएगा की कैसे अब इस एप को न सिर्फ पार्टी से जुड़े लोग बल्कि आम जनता को जोड़ना है। ऐप के फायदे को भी आम जनता को बताना है। भारतीय जनता पार्टी की एक दिवसीय कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रभारी मंत्री के साथ ही सभी मोर्चों के अध्यक्ष भी शामिल हुए। जहां इन सभी को बताया गया कि किस तरीके से आम जनता के बीच में जाकर उन्हें नमो ऐप को डाउनलोड करवाना है और उसमें उनका रजिस्ट्रेशन करवाना है जिससे कि केंद्र सरकार की सभी योजनाओं से वह अवगत हो सके।

नमो ऐप अब सिर्फ भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए न होकर अब आम आदमी के लिए भी होगा। और प्रदेश के सभी पदाधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है कि प्रदेश भर से तकरीबन दो करोड़ लोगों को इस ऐप से जोड़ा जाए साथ ही एक क्विज के माध्यम से एम्बेसडर का भी चुनाव किया जाए। नमो ऐप डाउनलोड करने वाले सभी आम लोगों को भी विकसित भारत प्रोग्राम का

एंबेसडर बनने का मौका इस ऐप के माध्यम से दिया जाएगा। जिसके लिए रजिस्ट्रेशन करवाने वाले सभी लोगों को 100 दिनों तक क्विज कुछ के सही जवाब देने होंगे उसके बाद उन्हें एंबेसडर के रूप में चुना जाएगा। राजधानी लखनऊ में बुलाई गई इस प्रदेश स्तरीय बैठक के बारे में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय ने बताया कि नमो ऐप को लेकर बुलाई गई है बैठक काफी महत्वपूर्ण है इस बैठक में नमो ऐप के बारे में सभी जिलों के जिला अध्यक्ष और पदाधिकारी को बताया जाएगा साथ ही अब तक यह ऐप जो सिर्फ बीजेपी के कार्यकर्ताओं के लिए था उसको आम लोगों तक दिया पहुंचने का काम किया जाएगा और पूरे प्रदेश में लगभग 2 करोड लोगों को हम इस ऐप के माध्यम से जोड़ेंगे जिसके लिए सभी स्कूल, कॉलेज ,अस्पतालों के साथ ही बाजारों में स्टाल लगाकर इस ऐप को डाउनलोड करवाने का भी काम किया जाएगा। चुकी अब लोकसभा चुनाव में 5 महीने से भी काम का समय बाकी है इसलिए भाजपा लगातार यूपी में फोकस पर आए हुए हैं यही कारण है कि बीजेपी में प्रधानमंत्री मोदी के 9 वर्ष पूरे होने से ही चुनावी एजेंडा को तैयार किया पहले जनसंपर्क महा अभियान दूसरा कलश यात्रा ,तीसरा विकसित भारत अभियान और अब यह चौथा नमो एप अभियान। इन सभी अभियानों के जरिए भाजपा पूरे प्रदेश भर में तकरीबन 10 करोड लोगों को पार्टी से जोड़ना है और उन्हे केंद्र सरकार की योजनाओं से अवगत कराने का काम कर रही है

अटल के नाम पर होगा गोमती नगर रेलवे स्टेशन,

नगर निगम कार्यकार्यकारणी में रखा जाएगा प्रस्ताव, सांसद और रेलवे मंत्रालय को भेजी डिमांड

लखनऊ। हजरतगंज चौराहे और इकाना स्टेडियम के बाद अब गोमती नगर स्टेशन का नाम भी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर करने की तैयारी शुरू हो गई है। लखनऊ नगर निगम ने इसकी पहल की है। नगर निगम कार्यकारिणी में यह प्रस्ताव लाया जाएगा। उसके बाद इसको सांसद राजनाथ सिंह को दिया जाएगा। इससे कि रेलवे में भी यह मांग रखा जा सके। 15 दिसंबर को नगर निगम की कार्यकारणी होने वाली है। इसमें यह प्रस्ताव लाया जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद आगे की पहल तेज की जाएगी। इससे पहले नगर निगम ने हजरतगंज चौराहे का नाम अटल चौक कर दिया था। जबकि शासन की तरफ से इकाना स्टेडियम को भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर किया गया था। ऐसे में यह तीसरा बड़ा सेंटर होगा जिसका नाम

पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर होने जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 25 दिसंबर को जयंती है। इससे पहले नगर निगम गोमती नगर रेलवे स्टेशन का नाम उनके नाम पर करने जा रहा है। महापौर ने कार्यकारिणी और सदन की स्वीकृति की प्रत्याशा में दो दिसंबर को ही इसका प्रस्ताव मंजूर कर दिया था। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बताया कि कार्यकारणी में पास होने के बाद एक प्रस्ताव रेलवे और मोजूदा सांसद को भेजा जाएगा। वहां से ही नाम पर विचार होगा। यह काम रेलवे का है। नगर निगम एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है। लखनऊ में गोमती नगर रेलवे स्टेशन अगर अटल के नाम पर होता है तो यह पहला मौका नहीं है जब ऐसा होगा। इससे पहले मुगलसराय स्टेशन का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा गया था। यूपी सरकार ने इसकी डिमांड की थी। इसमें तत्कालिन राज्यपाल नाम नाईक ने सहमति दी थी। आरएसएस–बीजेपी के विचारक थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय। 1968 में उनका शव मुगलसराय स्टेशन पर संदिग्ध हालत में पाया गया था। संघ परिवार से जुड़े संगठन दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर ही मुगलसराय स्टेशन का नाम चाहते थे।

यूपी कांग्रेस का नैतिक पार्टी से शर्तो पर गठबंधन, परिवर्तन यात्रा में शामिल होगी नैतिक पार्टी

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी और नैतिक पार्टी के बीच 2024 चुनाव को लेकर शर्तों के साथ गठबंधन हुआ है। प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और नैतिक पार्टी के अध्यक्ष चंद्र भूषण पांडेय के बीच समझौता हुआ। समझौते में प्रमुख रूप से कहा, शर्तों के अधीन नैतिक पार्टी, कांग्रेस पार्टी की साथी पार्टी के रूप में काम करेगी। यह जानकारी लखनऊ स्थित कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में दोनों दलों के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा, 15 तारीख से निकल जा रही कांग्रेस की सहारनपुर से लेकर सीतापुर की यात्रा में नैतिक पार्टी भी शामिल होगी। अजय राय ने यह भी बताया, दोनों पार्टियों के बीच में संयुक्त रूप से समझौता हुआ है। नैतिक पार्टी कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप प्रदेश में 2024 चुनाव को लेकर माहौल बनाएगी। हम उचित सीटों पर नैतिक पार्टी के साथ भविष्य में गठबंधन भी करेंगे। वहीं, नैतिक पार्टी के प्रमुख चंद्र भूषण पांडे ने बताया, शर्तों के साथ हम लोग कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं। भविष्य में हम लोग 2024 के चुनाव और अन्य चुनाव में एक साथ होकर प्रदेश और देश से बीजेपी सरकार को हटाने का काम करेंगे। एडवोकेट चंद्रभूषण पांडेय का यह भी कहना है कि छोटे–छोटे दलों के बने गठबंधन एक दिन देश में बड़ा स्वरूप जरूर लेंगे।

विधायकों के सुझाव पर बनेंगी 1142 नई सड़कें : जितिन

लखनऊ। यूपी में विधायकों के प्रस्ताव पर यूपी में नई सड़कों का जाल और पुरानी सड़कों के नवीनीकरण का काम जल्द शुरू हो जाएगा। विधायकों की तरफ से 1142 नई सड़कों का प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी को दिया गया था। प्रस्तावों को सूचीबद्ध और शासन स्तर से स्वीकृति के बाद बजट के लिए फाइल नाबार्ड को बढ़ा दी गई है। प्रदेश सरकार ने बीते जून में यह फैसला लिया था कि विधायक अपने क्षेत्र में छह करोड़ रुपये तक की इंटर कनेक्टिविटी सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव दे सकेंगे। करीब 1.5 करोड़ रुपये का प्रस्ताव पहले से बनी सड़कों के पुनर्निर्माण के लिए देने का प्रबंध किया गया था। विधानसभावार सड़कों के प्रस्ताव का देने में जनप्रतिनिधियों के साथ ही जिला प्रशासन को भी अधिकृत किया गया था। सड़कों के लिए अलग से बजट से अन्य विकास कार्य तेज होंगे।सरकार ने यह कदम उठाकर विधायकों को विधायक निधि का उपयोग अन्य विकास कार्यों में अधिक से अधिक करने का मौका दिया है। पहले विधायकों की निधि का बड़ा हिस्सा सड़क निर्माण के मद में चला जाता था। प्रदेश सरकार के इस फैसले के बाद पीडब्ल्यूडी के पास विधायकों ने अपने क्षेत्र में गांवों, बसावटों व कस्बों को आपस में जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर प्रस्ताव भेजे हैं। प्रस्तावों का परीक्षण मौके पर करने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में 1142 नई सड़कों के निर्माण की कार्ययोजना पीडब्ल्यूडी ने तैयार कर शासन में विभिन्न विभागों से इसे अनुमोदित कराया। इनमें 250 से अधिक की बसावटों को संपर्क मार्ग से जोड़े जाने के प्रस्ताव भी बड़ी संख्या में हैं।यह प्रस्ताव बजट के लिए नाबार्ड को भेजा गया है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि जल्द ही नाबार्ड से इन सड़कों के निर्माण के लिए अनुमानित 1615 करोड़ रुपये मिल जाएंगे। नाबार्ड से बजट स्वीकृत होने के साथ ही सड़कों का निर्माण तेजी से कराया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के पास अभी और भी बहुत से प्रस्ताव हैं जिनका परीक्षण कराया जा रहा है। उम्मीद है कि नाबार्ड से इसके लिए जल्द धनराशि मिल जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय मे कर लो सफलता मुट्ठी में विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल तथा काउंसलिंग और गाइडेंस सेल के सहयोग से एक प्रेरक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य छात्रों को उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करना और सशक्त बनाना था। संगोष्ठी के आरम्भ में अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर ए के सिंह ने दैनिक जागरण से मोटिवेशनल स्पीकर एवं मुख्य वक्ता तौकीर ने अपने उद्बोधन में कहा कि सफलता को हासिल करने के लिए हमें सही कौशल और मानसिकता की आवश्यकता है। सफलता का मार्ग सीधा नहीं होता लेकिन यदि हम उत्साह, संघर्षशीलता और सही मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ते हैं। तो हम सफलता को अवश्य हासिल कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में डॉ अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ अनुपम त्रिपाठी, डॉ हिमांशु पांडे, इंजीनियर पवन राजावत, इंजीनियर ओ पी सिंह के साथ 150 से अधिक शिक्षकों छात्रों प्रतिभाग किया। यह संगोष्ठी व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए उत्प्रेरक साबित हुई।

एनपीएस से पूर्व चयनित शिक्षकों को मिलना चाहिए पुरानी पेंशन का लाभ : संजय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय संयोजक आईटी सेल संजय द्विवेदी ने कहा है कि नई पेंशन स्कीम लागू होने से पहले के विज्ञापन से चयनित शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विज्ञापन संख्या 1/2002 के तहत नई पेंशन योजना लागू होने के बाद नियुक्त सहायक अध्यापक याचियों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ देने का निर्देश दिया है। इसके लिए प्रदेश के सभी जिलाध्यक्ष जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से सूचनाओं का संग्रह कर प्रदेश कार्यालय को उपलब्ध कराएं। श्री द्विवेदी ने बताया कि कोर्ट ने अपने नवीन निर्णय में कहा कि नई पेंशन स्कीम लागू होने से पहले के विज्ञापन से चयनित सहायक अध्यापकों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा। कोर्ट ने सरकार के इस तर्क को मानने से इनकार कर दिया कि सहायक अध्यापकों की नियुक्तियां नई पेंशन स्कीम लागू होने के बाद की गई है, इस कारण वे नई पेंशन स्कीम में होंगे। सभी सहायक अध्यापकों की नियुक्तियां एक अप्रैल 2005 के बाद की गई हैं। इस कारण वे पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ पाने के हकदार नहीं है। वे नई स्कीम में आते हैं। याचिकाओं में इसे चुनौती दी गई थी। श्री द्विवेदी ने बताया कि याचिकाओं पर अधिवक्ता की दलील थी कि याची के साथ चयनित और नियुक्त अन्य सभी अध्यापकों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ मिल रहा है लेकिन याचियों को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है। सरकार पर दबाव बनाने के लिए प्रभावित अन्य शिक्षकों को भी न्यायालय का रास्ता अख्तियार करना चाहिए। श्री द्विवेदी ने कहा है कि प्रदेश के विषय विशेषज्ञ शिक्षक भी 2002 में सेवा में आए थे, उनका आमेलन 2006– 07 में हुआ है, उन्हें भी पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाना चाहिए। इसके लिए शिक्षा निदेशक माध्यमिक को पत्र लिखा गया है।

पर्यटन मंत्री ने आपरेशनल होटल एवं रिसॉर्ट के स्टार वर्गीकृत पोर्टल का किया शुभारम्भ

न्यू होटल वर्गीकरण पर्यटकों के आकर्षण के साथ हास्पिटेलिटी सेक्टर में निवेश को मिलेगी गति –जयवीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने नये स्टार होटल वर्गीकरण पोर्टल का उद्घाटन करते हुए कहा कि होटलों के इस वर्गीकरण से उनकी एवं रिसॉटस गुणवत्ता, सेवाओं और समग्र सुविधाओं तथा अतिथि अनुभव के आधार पर किया गया है। इससे होटलों के कारोबार को गति मिलेगी। नई संशोधित वर्गीकरण प्रणाली में 05 अलग–अलग श्रेणियॉ शामिल की गयी हैं। उन्होंने कहा कि नई स्टार होटल वर्गीकरण प्रणाली के लाभ बहुआयामी हैं। इस प्रणाली के अंतर्गत मान्यता प्राप्त होटल कई प्रकार के प्रोत्साहनों के पात्र होंगे और उन्हें उद्योग मानक के तहत सब्सिडी और टैक्स का लाभ मिलेगा।पर्यटन मंत्री आज पर्यटन विभाग के सभागार में न्यू स्टार वर्गीकरण प्रणाली के शुभारम्भ के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। पर्यटन विभाग ने प्रदेश के संचालित होटलों और रिसॉट्स के स्टार वर्गीकरण की मंजूरी के लिए एक नई स्टार वर्गीकरण प्रणाली शुरू की है। इसका उद्देश्य राज्य में अधिक होटल कमरों की उपलब्धता, बेहतर सुविधाओं के साथ हास्पिटेलिटी उद्योग में सुधार के साथ होटल और रिसॉट्स को उद्योग के बराबर सब्सिडी और प्रोत्साहन प्राप्त होगा। यूपी सांस्कृतिक विरासत एवं ऐतिहासिक स्थलों और जीवंत शहरों के लिए जाना जाता है। राज्य सरकार निरन्तर पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दे रही है। नई संशोधित वर्गीकरण प्रणाली में 05 अलग–अलग श्रेणियॉ शामिल हैं। इनमें प्लेटिनम, डायमण्ड, गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज जो होटल उद्योग की पारम्परिक स्टार रेटिंग है। क्रमशः 05 स्टार, 04 स्टार, 03 स्टार, 02 स्टार और 01 स्टार वर्गीकरण के अनुरूप है। जिसे पर्यटन मंत्रालय द्वारा निर्धारित किया गया है। यह संशोधित प्रणाली पर्यटकों के लिए चयन प्रक्रिया को और सरल बनायेगी। इसके होटलों के बीच उच्च सेवा मानकों को प्रोत्साहित करेगी।पर्यटन मंत्री ने कहा कि नई वर्गीकरण प्रणाली में प्रतिभाग और जानकारी के लिए यूपी पर्यटन विभाग ने अपनी अधिकारिक वेबसाइट www.uptourism.gov.in पर न्यूनतम अपेक्षित शुल्क के साथ न्यू होटल स्टार वर्गीकरण सिस्टम में आवेदन करने के लिए एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है। राज्य पर्यटन विकास निगम राज्य में न्यू स्टार होटल वर्गीकरण प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगा। यह वर्गीकरण अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे राज्य के हास्पिटेलिटी सेक्टर में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य मुकेश मेश्राम, प्रबंध निदेशक एवं विशेष सचिव एके पाण्डेय, निदेशक पर्यटन प्रखर मिश्र के अलावा पर्यटन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

सम्पादकीय

नये चेहरों पर भरोसा जता कर भाजपा ने राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में ऐतिहासिक जीत के बाद जिस प्रकार मुख्यमन्त्री पद पर चौंकाने वाले नामों के फैसले लेकर सबको चकित किया हैं, उनसे स्पष्ट है कि यह पार्टी राजनीति की नयी परिभाषा गढ़ने के साथ जमीनी कार्यकर्ताओं को भविष्य के नेता बनाने के लिये तत्पर है। पार्टी एवं विशेषतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आम जनता को सन्देश दे रहे हैं कि साधारण से साधारण कार्यकर्ता भी पार्टी में एक दिन ऊंचे से ऊंचे पद पर पहुंच सकता है। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय, मध्य प्रदेश में मोहन यादव और आज राजस्थान में भजनलाल शर्मा को जिस तरह मुख्यमन्त्री का पद सौंपा गया है उससे यह भी साफ करने की कोशिश की गई है कि कोई भी अपनी लोकप्रियता का ढिंढोरा पीटकर और विधायकों को अपनी जेब में रखने का भ्रम दिखा कर मुख्यमन्त्री बन सकता है तो भाजपा आलाकमान उसकी यह दादागिरी बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा में गढ़ी जा रही नयी राजनीतिक परिभाषाएं ही उसके प्रचंड जीत का आधार बन रही है। भाजपा नेतृत्व में सिर्फ औरो पर हुकूमत नहीं की जाती, बल्कि सबका साथ, सबका विकास के आधार राजनीति धरातल को मजबूती दी जाती है। सबके अस्तित्व को नकार कर सिर्फ स्वयं के होने की प्रस्तुति कभी नेतृत्व एवं कर्तृत्व के कद को ऊंचाई दे सकती।

भाजपा ने न केवल नए चेहरों पर भरोसा किया है बल्कि राजनीति के धुरंधर खिलाड़ियों को भी उनकी जमीन दिखाने की कोशिश की है, इस तरह की राजनीति के दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं, वहीं राजनीति में नये चेहरों के आने से ताजगी का अहसास किया जा सकता है। राजनीति किन्हीं नेताओं की बपौती नहीं है, यह बात मोदी जैसे नेता ही सिद्ध कर पाये हैं। वरना भारतीय राजनीति में परिवारवाद, धन एवं ताकत का बोलबाला रहा है, जमीन से जुड़े लोग तो राजनीति से घबराने लगे थे। लेकिन भाजपा की राजनीति ने सिद्ध कर दिया कि यहां कुछ भी असंभव नहीं। अनेक विधायकों की उम्र बीत जाती है मुख्यमंत्री पद का इंतजार करते, पर राजस्थान में भाजपा ने पहली बार जीतकर विधानसभा पहुंचे भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर एक ऐसा संदेश दिया है, जिसका असर पार्टी में निचले स्तर के कार्यकर्ताओं तक एक खुशखबरी की तरह पहुंचा है। ऐसे फैसले कम होते हैं, पर जब होते हैं, तब लोकतंत्र और उसकी जमीनी राजनीति के प्रति आम लोगों का भरोसा बढ़ता है। इससे लोकतंत्र भी मजबूत होता है और अपने वास्तविक एवं आदर्श स्वरूप को आकार देने का पात्र बनता है। मोदी ने अपने नाम पर प्रादेशिक चुनाव लड़कर एवं जीतकर एक नयी प्रकार की राजनीति को विकसित करने का धरातल तैयार कर दिया है। इसी का परिणाम है कि राजस्थान की राजनीति में अब पीढ़ी परिवर्तन का बिगुल बज गया है। राजस्थान में अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे बारी–बारी सत्ता संभालते आ रहे थे और सत्ता छोड़ने को तैयार नहीं थे, ऐसे में उनको निराशा हाथ लगी है। अब व्यक्तिवादी राजनीति का युग समाप्ति की ओर अग्रसर है, यह भारत में राजनीति को अधिक स्वच्छ, आदर्श एवं दमदार बनायेगा।

इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान ही यह साफ हो गया था कि जिस व्यक्ति को भी मोदी का आशीर्वाद प्राप्त होगा और जिसे नवनिर्वाचित विधायक पसन्द करेंगे वही मुख्यमन्त्री होगा। भाजपा ने ये चुनाव प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा आगे रख कर लड़े थे और स्वयं मोदी ने अपनी गारंटी देकर लोगों से वोट मांगे थे। तीनों मे से किसी एक राज्य में भी संभावित मुख्यमन्त्री का चेहरा रखकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश नहीं की गई थी। इससे चुनाव प्रचार के दौरान ही यह साफ हो गया था कि इस बार मुख्यमंत्री के नाम न केवल चौंकायेंगे बल्कि सुखद अहसास का सबब भी बनेंगे। राजस्थान में इसके कहीं कोई आसार नहीं दिख रहे थे कि पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बन सकते हैं। वैसे तो भाजपा इस तरह के चकित करने वाले फैसले पहले भी करती रही है, लेकिन इस बार उसने कुछ ज्यादा ही चौंकाने एवं चमत्कृत करने वाले फैसले लिए। भाजपा ने इन तीनों राज्यों की कमान केवल नए चेहरों को ही नहीं थमाई, बल्कि उन नेताओं को मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री बनाया, जो अपेक्षाकृत युवा हैं और पार्टी की विचारधारा से गहरे से जुड़े रहने के साथ जमीनी स्तर पर काम करते रहे हैं। महिला नेतृत्व को भी आगे लाया गया है। ऐसे नेताओं को आगे करके भाजपा ने यही संदेश दिया कि वह एक ऐसा दल है, जिसके सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और लगन से उच्च पद पर पहुंच सकते हैं। ऐसा कोई संदेश न तो परिवारवाद को प्रश्रय देने वाली कांग्रेस दे सकने में समर्थ है और न ही क्षेत्रीय दल।

अनेक नये प्रयोगों के माध्यम से भाजपा खुद को मजबूत बना रही है एवं राजनीति की विसंगतियों एवं विडम्बना को दूर करने की गाथा भी लिख रही है। उसने इन तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री और उप–मुख्यमंत्रियों के चयन में समाज के विभिन्न वर्गों की आकांक्षाओं का भी ध्यान रखा। इन तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों के चेहरों के जरिये भाजपा ने जिस तरह अपने सामाजिक समीकरण मजबूत किए, उससे उसके विरोधियों के इस तरह के आरोपों की हवा निकल गई कि वह अमुक अमुक वर्ग की उपेक्षा करती है। दलित, आदिवासी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के नेताओं को उचित प्रोत्साहन देकर भाजपा ने यह और अधिक अच्छे से रेखांकित किया कि वह समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है। भाजपा न केवल मतदाताओं के दिलों को जीतने के मामले में अन्य दलों से कहीं अधिक आगे नजर आने लगी है, बल्कि नेताओं की नई पीढ़ी को तैयार करने और उन्हें अवसर देने के मामले में भी उसने नई लकीरें खींची है। स्पष्ट है कि इससे उसके सामान्य कार्यकर्ताओं में उत्साह का कहीं अधिक संचार हुआ है और मतदाता भी उत्साहित एवं हर्षित दिख रहा है। जहां राजनीति दलों के नेताओं एवं मतदाताओं की निष्ठा का समन्वय नहीं होता, वहां उनकी मानसिकता में या तो दब्बुपन, कायरता, हीनता, भय, तनाव पैदा हो जाती है या फिर वे अति लापरवाह, निस्संकोच, मुंहफट, ढीठ हो जाते है, ऐसी स्थितियों में असंतोष, विरोध, विद्रोह ही पनपते हैं।

नरेन्द्र मोदी के साथ अमित शाह ने भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं को पिछले कुछ वर्षों में यही संदेश दिया है कि वे पार्टी की मजबूती के लिए बूथ लेवल पर मेहनत करेंगे तो समय आने पर उनको उनका मेहनताना दिया जाएगा। भले ही वह विष्णुदेव साय जैसा जमीनी कार्यकर्ता हों। अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा भी था, विष्णुदेवजी हमारे अनुभवी कार्यकर्ता हैं, नेता हैं, सांसद रहे, विधायक रहे, प्रदेश अध्यक्ष रहे। एक अनुभवी नेता को भाजपा आपके सामने लाई है। आप इनको विधायक बना दो, उनको बड़ा आदमी बनाने का काम हम करेंगे।' मुख्यमंत्री बनाकर अमित शाह ने सचमुच उन्हें बड़ा आदमी बना दिया है। इसी तरह की सोच की वजह है कि भाजपा केंद्र में भी 2014 से लगातार सत्ता में बनी हुई है और राज्य स्तर पर भी अपनी धमक दिखा रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सीएम और डिप्टी सीएम पद के लिए चुने गए नए नाम 2024 की रणनीति के तौर पर भी देखे जा रहे हैं। भाजपा को सत्ता में बनाए रखने के लिए मोदी–शाह फॉर्मूला एकदम साफ है कि उसके नेताओं की साफ–सुथरी छवि होनी चाहिए, आरएसएस से संबंध होना चाहिए, युवाओं को आगे लाने की कोशिश होनी चाहिए, लीडरशिप में नई पीढ़ी को उतारना मकसद हो, सीएम और 2 डिप्टी सीएम फॉर्मूला हिट है एवं जातियों का समान प्रतिनिधित्व होना चाहिए। ये वो फॉर्मूला है, जिसके दम पर भाजपा राज्यों में अपनी पकड़ बनाकर रखती है और केंद्र में जीत के लिए रास्ता साफ करती है। अगर आप तीनों ही राज्यों के मुख्यमंत्री पदों पर बैठने वाले व्यक्तियों को देखें तो, उनके चुने जाने की पहली वजह है साथ सुथरी छवि। तीनों ही सीएम पर किसी तरह का कोई गंभीर आरोप नहीं है, जो पार्टी के लिए मुसीबत बन सके। तीनों ही सीएम राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े रहे हैं।

यूनिकोड यविश्वेश्वरैया जी के बाद महानतम भारतीय अभियंता डॉ. अजुध्यानाथ खोसला

नदियों का पानी नहर के अंदर मोड़ने के लिए वियर या बैराज बनाए जाते हैं। जैसे मेढ़ के कारण खेत में पानी की ऊँचाई आसपास के स्थान से उपर हो जाती है वैसे ही बैराज या वियर से नदी का पानी उपर उठ जाता है। उपर उठने के कारण ही पानी नहर में घुस पाता है। विदित हो कि नदी स्थानीय रूप से सबसे गहरे स्थान पर बहती है और नहर को अभियांत्रिकी संबंधी विभिन्न कारणों से सबसे ऊँचे स्थान पर बनाया जाता है। इस कारण नदी का पानी चाहे मात्रा में कितना ही अधिक क्यों न हो वह सामान्यतया खुद नहर में नहीं जा पाता।बैराज या वियर के पीछे स्थित उठे पानी में स्थैतिक ऊर्जा बढ़ जाती है जोकि संरचना को बहा ले जाने, पलट देने और इसके नीचे से अर्थात नींव की मिट्टी के अंदर जल धारा बनाने का प्रयास कराती है। मिट्टी के अंदर बहने वाली जल धारा अपने साथ मिट्टी के कणों को भी घोल कर ले जाती है जिससे नींव में कैविटी अर्थात पोलापन पैदा होने लगता है जिससे संरचना के नीचे धंसने और विफल होने की सम्भावना बहुत बढ़ जाती है। कुशल इंजीनियर इन सब बातों का ध्यान रखकर संरचना की माप और नींव की गहराई तय करता है। डिजाइन तैयार करने वाले इंजीनियर के लिए सबसे अधिक परेशानी नींव के अंदर से पानी के बहने की प्रवृत्ति जानना और उसका पक्का ईलाज करना होती है।

सन उन्नीस सौ पच्चीस तक वैज्ञानिक ब्लिघ के सिद्धांत द्वारा तय किया जाता था कि वियर या बैराज की नींव में पानी किस स्थान से होकर और कितनी ताकतध्वेगध्प्रेसर से बहेगा। ब्लिघ की मान्यता थी कि पानी वियर या बैराज की संरचना की आन्तरिक सतह (जिससे जमीन छूती है) से चिपककर और उसके नजदीकी क्षेत्र से बहता है। ब्लिघ के सिद्धान्त पर बनाए गए अनेकानेक वियर और बैराज सफल रहे।परन्तु कई संरचनाएँ विफल होने लगीं। शुरूआत में अभियंताओ और वैज्ञानिकों को इसका कारण समझ नहीं आया। इसी तरह उन्नीस सौ छब्बीस –सत्ताईस में ब्लिघ के सिद्धान्त के आधार पर अपर चेनाब कैनाल सायफन की ऊपरी संरचना उसकी नींव में पानी के बहाव के कारण गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने लगी तो इसकी जांच के लिए डॉ. अजुध्यानाथ खोसला को लगाया गया। डॉ. खोसला ने गहराई से अध्ययन किया और बताया कि इस सायफन की नींव में पानी उन स्थानों से तथा उस दबाब से नहीं बहता जैसा ब्लिघ के सिद्धांत के आधार पर इसे बनाया गया है। डॉ. खोसला ने वियर या बैराज या डैम की नींव में पानी बहने के रास्तों और उनमें स्थान–स्थान पर पानी के प्रेसर की मात्रा ज्ञात करने के नए सिद्धांत की खोज की जिसे खोसलाज थेयरी एंड कन्सैप्ट ऑफ फ्लो नेट्स के नाम से जाना जाता है। अपने सिद्धान्त को डॉ. खोसला ने उन्नीस सौ छत्तीस में डिजाइन ऑफ वियर इन इमपरवियस सॉयल (अपारगम्य नींव पर वियर का डिजाइन) नाम से प्रकाशित कराया। यह सिद्धान्त दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हुआ। रेतीली मिट्टी की तली वाली नदियों में जब डॉ. खोसला के सिद्धांतों से वियर या बैराज बनाए गए तो ब्लिघ के सिद्धांतों से बनी संरचना की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित सिद्ध हुए। ठोस पत्थरध्मिट्टी के धरातल पर ब्लिघ के सिद्धान्त से बने वियर और बैराज भी सफलतापूर्वक काम करते हैं परन्तु रेत या ढीलीध्कम ठोस मिट्टी में डॉ. अजुध्यानाथ खोसला के सिद्धान्त से बनी संरचाएँ ही सफल सिद्ध हुईं। धीरे–धीरे दुनिया भर में इनका सिद्धान्त पढ़ाया जाने लगा। इसी सिद्धांत से गहरी कट ऑफ पाईलस का प्रयोग वियर या बैराज की नींव में वृहद रूप में शुरु हुआ जिससे संरचना के नीचे नींव में बह रहे पानी का प्रेसरध्ताकत कम हो जाती है और वह अपने साथ मिट्टी के कण बहाकर नहीं ले जा पाता और इस प्रक्रिया से बनने वाला पोलापन भी नहीं पैदा होता। बांधो का डिजाइन करते समय उनमें एकत्र हो सकने वाले वर्षा जल की मात्रा का अनुमान लगाने के लिए भी डॉ. खोसला द्वारा खोजा गया सूत्र प्रयोग में लाया जाता है। उनके इस सूत्र को खोसलाज फॉर्मूला कनैक्टिंग रैन फॉल एंड यील्ड के नाम से जाना जाता है। डॉ. अजुध्यानाथ खोसला उन गिने–चुने भारतीय अभियन्ता–वैज्ञानिकों में से एक हैं जिनके खोजे गए सिद्धांतों और सूत्रों को अनेक देशों में पढ़ाया और प्रयोग में लाया जाता है। खोसलाज थेयरी एंड कन्सैप्ट ऑफ फ्लो नेट्स के सूत्रों को समझने और प्रयोग करने के लिए स्नातक स्तर के उच्च गणित की गहन समझ होना अनिवार्यतः आवश्यक है। तुलनात्मक रूप से ब्लिघ का सिद्धांत डॉ. खोसला के सूत्रों की तुलना में गणित के सरल समीकरणों पर आधारित है। डॉ. अजुध्यानाथ खोसला अपने समय भारत के विख्यात लोगों में से एक थे। इनसे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें और विशिष्ट उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं– जन्म–ग्यारह दिसम्बर अट्ठारह सौ बयानवे जालंधर (पंजाब), मृत्यु– उन्नीस सौ चौरासी। आई आई टी रूड़कीध् रूड़की यूनिवर्सिटी के कुलपति बनाए गए। ब्लिघ के सिद्धान्त को अवक्रमित और उच्चीकृत करके खोसला सिद्धान्त का प्रतिपादित किया। भाखड़ा बांध के निर्माण की शुरूआत इनकी संस्तुति पर ही हुई । राज्य सभा सदस्य बने। उड़ीसा के राज्यपाल बनाए गए। पद्म पुरस्कार से सम्मानित। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष। अनेक तकनीकी समितियों में नामित। विश्वेश्वरैया जी के बाद महानतम अभियंताओं में से एक। उत्कृष्ट कार्यों के लिए इन्हें कैनेडी गोल्ड मैडल भी दिया गया।

भगवा से मुकाबला के लिए इंडिया गठबंधन को चाहिए एक अधिक आकर्षक आख्यान

पांच राज्यों के चुनाव संपन्न होने के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग गये हैं। भाजपा हिंदी पट्टी में अपना गढ़ बनाये रखने को लेकर आश्वस्त है और विपक्ष उन्हें प्रभावी ढंग से चुनौती देने में विफल रहा है। नवंबर में हुए चुनावों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भजपा ने जीत हासिल कर ली है। भाजपा भारत में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति बन गई है। पार्टी ने अपनी पहुंच का विस्तार किया है और वर्तमान में 18 राज्यों में सत्ता पर काबिज है। यह इसके दृढ़ नेतृत्व, सुव्यवस्थित संरचना, विशाल संसाधनों और प्रभावी संचार के कारण है। इसके अलावा, भारतीय राजनीति में दक्षिणपंथ की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। नरेंद्र मोदी और अन्य विपक्षी नेताओं की लोकप्रियता रेटिंग में काफी अंतर है। पार्टी का नया नारा है–नई गति, नई प्रतिज्ञा। पिछले दस वर्षों में, नरेंद्र मोदी ने भाजपा की हिंदू राष्ट्रवाद की मूल अवधारणा को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया है। पार्टी ने मतदाताओं को जीतने के लिए नकद हस्तांतरण, मुफ्त राशन और किफायती गैस सिलेंडर जैसी कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। एक और महत्वपूर्ण विचार अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन अगले साल जनवरी में करने की योजना है। उच्च बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और मूल्य वृद्धि जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, ये योजनाएं जनता के बीच लोकप्रिय बनी हुई हैं। भाजपा इन्हीं के आधार पर पार्टी के लिए तीसरे कार्यकाल की वकालत कर रही है। भाजपा को दक्षिणी राज्यों में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और पार्टी इन राज्यों में चुनाव जीतने के लिए केवल मोदी के करिश्मे पर निर्भर रहने से परे नयी रणनीति अपना सकती है। केन्द्रीय नेतृत्व पार्टी के भीतर आंतरिक असहमति को दूर करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, उन्हें एक नया आख्यान बनाने की जरूरत है जो दक्षिणी राज्यों के मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित हो। हिंदुत्व और सनातन धर्म की मौजूदा विचारधारा इन राज्यों के लोगों को पसंद नहीं आ रही है। एक ऐसी विचारधारा वाली पार्टी के रूप में यह उत्तर भारत की जरूरतों को पूरा करती है। अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, द्रविड़ दलों ने दशकों से सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्रविड़ प्रशासन मॉडल की बात करते रहे हैं। दक्षिणी क्षेत्र में 543 लोकसभा सीटों में से 131 सीटें हैं। केरल में कई कम्युनिस्ट समर्थक हैं। तमिलनाडु मुख्य रूप से नास्तिक है, और भाजपा का कर्नाटक में कुछ आधार है। हालांकि, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्षेत्रीय पार्टियां हैं, जिससे इन राज्यों में भाजपा का समर्थन सीमित है। विपक्षी इंडिया गठबंधन हाल के चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन से निराश है। अगर सबसे पुरानी पार्टी कम से कम दो उत्तरी भारतीय राज्यों में जीत हासिल करती तो राहुल गांधी सफल हो सकते थे। कांग्रेस को अगले चुनाव से पहले एक नयी चुनावी रणनीति अपनानी होगी। मोदी को चुनौती देने के लिए अगले चार महीनों में गैर–भाजपा वोटों के विभाजन को रोकने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट होना होगा। पहले कदम के रूप में, उन्हें उन सीटों पर एक ही उम्मीदवार खड़ा करने पर सहमत होना चाहिए जहां भाजपा प्राथमिक दावेदार है। कांग्रेस पार्टी को सफलता की अधिक संभावना वाले निर्वाचन क्षेत्रों को जीतने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। व्यक्तिगत एजेंडों और अहंकारी सत्तारूढ़ पार्टी को हराने को प्राथमिकता देना आवश्यक है। कांग्रेस को अपने नेतृत्व को अद्यतन करने और पुरानी प्रथाओं को पीछे छोड़ने की जरूरत है। तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की आलोचना की और कहा कि भाजपा की जीत कांग्रेस की विफलता का नतीजा है। आंतरिक संघर्षों, कमजोर गठबंधनों और वर्तमान राजनीतिक माहौल की समझ की कमी के कारण कांग्रेस चुनाव हार गई। सुधार के लिए, कांग्रेस को उचित भूमिकाओं के लिए सक्षम व्यक्तियों की भर्ती करनी चाहिए और अपने समर्थकों को प्रेरित करना चाहिए। राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए 4,000 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व किया। इससे पार्टी को कर्नाटक और तेलंगाना में महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में मदद मिली। हालांकि, यात्रा की सफलता मुख्यतरू दक्षिण भारत तक ही सीमित थी और उत्तर में इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

भाजपा से मुकाबला करने के लिए विपक्ष को अधिक धन की आवश्यकता है। भगवा पार्टी अपने अभियान को टॉप गियर में रखने के लिए अपने धन का उपयोग करती है। पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस को रुपए 1,547.43 करोड़ की तुलना में भाजपा को रुपए 10,122.03 करोड़ का राजनीतिक दान मिला। कांग्रेस को कॉर्पोरेट योगदान कम हो गया है जबकि भाजपा को उसका योगदान बढ़ गया है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, कांग्रेस धन की कमी के कारण अपने चुनाव अभियानों को वित्तपोषित करने के लिए क्राउडफंडिंग पर विचार कर रही है। इसे भजपा के राजनीतिक युद्ध कोष से मुकाबला करने के लिए विशाल धन की आवश्यकता है। पिछले 20 सालों में भाजपा का लोकसभा चुनाव पर खर्च छह गुना बढ़ गया है, जो पिछले लोकसभा चुनाव में 9 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 55 हजार करोड़ रुपये हो गया है। खर्च का एक तिहाई हिस्सा प्रचार के लिए आबंटित किया जाता है। इसके विपरीत, दूसरा सबसे बड़ा खर्च मतदाताओं को सीधा भुगतान है। मतदाताओं को रिश्वत देने के कई तरीके हैं। फंड और आरएसएस समर्थित संगठन दोनों के मामले में भाजपा को कांग्रेस के मुकाबले बड़ा फायदा है। सीधे शब्दों में कहें तो भाजपा को दक्षिण के लिए नये सिरे से रणनीति विकसित करने की जरूरत है, जबकि कांग्रेस को उत्तर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जहां तक क्षेत्रीय दलों की बात है तो उनकी प्राथमिकता अपने वफादार मतदाता आधार को बनाये रखने की होनी चाहिए। इसके अलावा, मतदाताओं को जीतने के लिए केवल मुफ्त उपहार देना हमेशा पर्याप्त नहीं होता है। उनका विश्वास और समर्थन अर्जित करने के लिए और अधिक प्रयास करना आवश्यक है। भारत की लोकतांत्रिक यात्रा एक बड़ी उपलब्धि है जिसकी शायद ही कोई मिसाल हो। अपनी खामियों के बावजूद लोकतंत्र बचा हुआ है और सत्ता का हस्तांतरण 17 बार हो चुका है। आखिरकार, यह अरबों मतदाता ही हैं जो 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सरकार का स्वरूप तय करेंगे।

चौंकाते मुख्यमंत्री

हिंदी हृदय प्रदेश के तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने जैसे सबको चौंकाया, कमोबेश उसी तरह इन तीन भाजपा के बहुमत वाले राज्यों में मुख्यमंत्रियों के चयन ने भी चौंकाया। कहने को तो दलील दी जाती रही है कि विधायकों की बैठक में फैसला लिया जाएगा, लेकिन इनकी घोषणाओं में हुआ विलंब इशारा करता है कि आलाकमान ने नामों को अंतिम रूप देने में खासी मशक्कत की है। बहरहाल, तमाम कयासों व संभावनाओं को दरकिनार करते हुए छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश व राजस्थान में ऐसे नामों पर मुख्यमंत्री होने की मोहर लगी जो कहीं चर्चा में नहीं थे। दरअसल, इस तरह चौंकाना भाजपा सुप्रीमो व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आदत रही है। हरियाणा में मनोहर लाल, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, असम में हिमंत बिस्वा सरमा और उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाते समय भी कुछ इस तरह चौंकाया गया था। बहरहाल, कई दिन की प्रतीक्षा के बाद मुख्यमंत्री का दायित्व जिन नेताओं को सौंपा गया है, उन्हें पीढ़ी के बदलाव के तौर पर भी देखा जा रहा है। निस्संदेह, नये लोगों को मौका मिलने से नया उत्साह होता है और नई उम्मीदें भी। बहरहाल, भाजपा की दूरगामी रणनीति इन चेहरों के चयनों से जाहिर होती है। कहीं न कहीं, बिहार से जाति गणना, आरक्षण और वंचित वर्ग को नेतृत्व देना का जो शोर उठा था, उसे भांपकर भाजपा ने अपना घर ठीक करने की रणनीति को अंजाम दे दिया। छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता के रूप में विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। राज्य में वंचित समाज की सत्ता में भागीदारी के साथ झारखंड व ओडिशा को भी ध्यान में रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में आदिवासी मतदाता हैं। वहीं मध्यप्रदेश में संघ की पृष्ठभूमि के वे मोहन यादव मुख्यमंत्री बने, जिनकी इस पद के लिये कोई चर्चा नहीं थी। हालांकि, भाजपा को रिकॉर्ड जीत दिलाने में भूमिका निभाने वाले शिवराज चौहान को भी मुख्यमंत्री पद का बड़ा दावेदार माना जा रहा था।निस्संदेह, बिहार व यूपी में यादव वर्चस्व की राजनीति को टक्कर देने के लिये मोहन यादव की ताजपोशी को एक तुरुप के पत्ते की तरह देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में मुख्यमंत्री के रूप में अप्रत्याशित रूप से भजनलाल शर्मा का चयन किया गया। राजस्थान में सांगानेर विधानसभा से पहली बार चुने गये भजनलाल भारतीय जनता पार्टी में प्रदेश संगठन मंत्री रहे हैं। एक तरफ जहां दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे सिंधिया की ताजपोशी को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे थे, उनकी तरफ से आलाकमान पर दबाव बनाने की कोशिशें भी नजर आई थीं। लेकिन बाजी अमित शाह के करीब माने जाने वाले भजन लाल शर्मा ने मारी। वहीं राज्य में अन्य समीकरणों को साधने के लिये राजवंश से जुड़ी रही दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा को भजनलाल कैबिनेट में उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री पद की दौड़ में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सीपी जोशी, स्पीकर ओम प्रकाश बिरला और महंत बालकनाथ के नाम उछलते रहे। बहरहाल, तीन राज्यों में आदिवासी, ओबीसी व ब्राह्मण मुख्यमंत्रियों की ताजपोशी राजनीति में सर्वसमावेशिता की नीति का ही विस्तार है। पार्टी ने धीरे से एक पीढ़ी का नेतृत्व परिवर्तन करके नये लोगों के लिये नई उम्मीदें जगायी हैं। निस्संदेह, इन नेताओं की ताजपोशी के केंद्र में 2024 का महासमर ही है। संदेश देने का प्रयास किया गया है कि सबका साथ, सबका विकास पार्टी का लक्ष्य है और उसे हकीकत में तब्दील करने के लिये पार्टी प्रतिबद्ध है। पार्टी ने दिखा दिया है कि राजस्थान व मध्यप्रदेश में युवाओं को सत्ता सौंपने के जिस प्रयास में राहुल गांधी सफल न हो सके, भाजपा ने उसे खामोशी से अंजाम दे दिया। यदि वे समय रहते कर पाते तो ज्योतिरादित्य सिंधिया व सचिन पायलट के नेतृत्व में इन राज्यों की तस्वीर अलग हो सकती थी। बहरहाल, तमाम पुराने मुख्यमंत्रियों व राजनेताओं की छल–कूद के बावजूद भाजपा आलाकमान ने यह ठोस पहल करके बता दिया है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व सक्षम व पूरी तरह निर्णायक ही है।

इस चेतावनी को सुनना होगा

मंगलवार को संसद भवन के बाहर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पत्रकारों से चर्चा में दो–तीन मार्के की बातें कही हैं, जिन पर गौर फरमाया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने पत्रकारों के जरिए एक बार फिर आम जनता के लिए संदेश दिया है कि कांग्रेस आने वाले वक्त में भी जाति जनगणना के मुद्दे को उठाती रहेगी। श्री गांधी ने कहा कि मूल मुद्दा जाति आधारित जनगणना है और लोगों का पैसा किसे मिल रहा है? वे (भाजपा) इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं, वे इससे दूर भागते हैं। हम इस मुद्दे को आगे बढ़ाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि गरीबों को वह मिलता है जिसके वे हकदार हैं। गौरतलब है कि हाल में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में लगभग हर रैली में राहुल गांधी ने जाति जनगणना की बात की थी और साथ ही दावा किया था कि कांग्रेस की सरकार आने पर वह इसे अमल में लाएगी। तेलंगाना के अलावा कांग्रेस को किसी राज्य में जीत नहीं मिली, बल्कि उम्मीद के विपरीत मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान भाजपा के पास चले गए। भाजपा जातिगत जनगणना के मुद्दे से बचती रही है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो यहां तक कह दिया था कि इस देश में केवल गरीबी ही जाति है और कोई जाति नहीं है। लेकिन जिस तरह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में क्रमशरू विष्णु देव साय और मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद दिया गया है, उससे दिखाई दे रहा है कि भाजपा को अंततरू राहुल गांधी की लीक पर ही चलना पड़ा है। भाजपा इस बात को मानती है या नहीं, ये अलग बात है। संसद के बाहर राहुल गांधी ने दूसरी महत्वपूर्ण बात पं.नेहरू को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर की। गृहमंत्री अमित शाह ने पहले लोकसभा में और फिर सोमवार को राज्यसभा में भी जम्मू–कश्मीर को लेकर पं. नेहरू को निशाने पर लिया और उन पर गलतियों का ठीकरा फोड़ा। इसके बाद देश में इसी बात पर चर्चा होने लगी कि आजादी के बाद जब जम्मू–कश्मीर का विलय देश में हुआ और पाकिस्तानी कबाइलियों को भारतीय सेना ने हरा कर भगा दिया, उस वक्त और क्या–क्या हुआ था, तब किस तरह के हालात थे। उस बारे में माउंटबेटन से लेकर सरदार पटेल और नेहरू से लेकर शेख अब्दुल्ला और राजा हरिसिंह की क्या भूमिकाएं थीं। किसकी गलती थी, किसकी नहीं, इस पर नयी बहस शुरु हो गई। ऐसी बहसें अगर स्वस्थ मानसिकता और निष्पक्षता से की जाएं, तब तो इनका लाभ है। मगर इस समय बहस नहीं होती, केवल दोषारोपण होता है और उसमें भी नेहरूजी पर ही लक्ष्य साधा जाता है। इन हालात में राहुल गांधी ने साफ कहा कि वे हमें इस मुद्दे (जाति जनगणना) से भटकाने के लिए जवाहरलाल नेहरू और अन्य के बारे में बात करते हैं। राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा की नब्ज बिल्कुल सही जगह पर पकड़ी है। देश में इस वक्त जाति जनगणना वाकई एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि इसके जरिए ही सामाजिक न्याय के मकसद को पूरा किया जा सकता है। जब सामाजिक न्याय के लिए माहौल बनेगा, तब आर्थिक न्याय की प्रक्रिया भी अपने आप शुरु हो सकेगी। दरअसल ये सारी बातें एक–दूसरे पर ही आश्रित हैं और इसलिए राजनैतिक विमर्श में इनका केंद्र में रहना जरूरी है। संसद सत्रों के तमाम दिनों में इन पर अधिक से अधिक विचार–विमर्श होना चाहिए। लेकिन अभी आलम ये है कि संसद में की जा रही विवादास्पद बातें ही सुर्खियां बनती हैं। 140 करोड़ लोगों के लिए नियम–कानून बनाते वक्त सरकार कितनी देर और कितनी गंभीरता से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करती है, इसकी कोई खबर ही आम जनता को नहीं हो पाती। जब कोई कानून बन जाता है या रद्द हो जाता है, तभी लोगों को पता चलता है। ये बात लोकतंत्र के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं है। इसलिए राहुल गांधी ने ध्यान भटकाने वाली जो बात कही है, वो सटीक है। राहुल गांधी ने तीसरी टिप्पणी इतिहास में नेहरूजी की भूमिका को लेकर की। दरअसल पं.नेहरू पर राज्यसभा में अमित शाह ने कहा कि अगर असमय सीजफायर नहीं होता, तो आज पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर नहीं होता। हमारी सेना जीत रही थी वो भाग रहे थे। नेहरू दो दिन रुक जाते तो पूरा पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर त

आज अंतरराष्ट्रीय कानून, ओआईसी गाजा के मलबे और खंडहरों के नीचे दबा हुआ है : आफाक

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्य कर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने कहा है कि गाजा पर इजरायली युद्ध के बाद 7 अक्टूबर से युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के पीड़ितों के अधिकारों को हड़पने की चल रही प्रक्रिया जारी है। जिस के जिम्मेदार अंतरराष्ट्रीय कानून और ओ आई सी है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों तक, गाजा एक खुली जेल थी जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों सहित 20 लाख लोग रहते थे, लेकिन अब यह मलबे और विनाश में बदल गया है, जिसके खंडहर अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन हैं। यह उस अधिकार के लिए एक बड़ा कदम है जिसे उन्नीसवीं सदी के अंत से बड़ी मेहनत से स्थापित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सामूहिक अपराधों के अत्याचारों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून की स्थापना की गई थी, लेकिन 20 वीं सदी में यह होने वाले अपराधों को रोकने में विफल रहा। मुहम्मद अफाक ने अफसोस जताया कि इस नए वैश्वीकृत न्याय का काम तुच्छ और अस्पष्ट लगता है, क्योंकि क्रूरता और निर्दयता के खिलाफ इस उपकरण को दुनिया के ताकतवर लोग तुच्छ समझते हैं। और इसे अपने अधीन कर लेते हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रणेता लगातार दोहरे रवैये का पालन कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय कानून गाजा के मलबे और खंडहरों के नीचे दब गया है. मानवता और मानवीय मूल्यों को अंधकार में छिपा दिया गया है और दशकों से गाजा में उत्पीड़न का शिकार गरीब लोगों को खत्म करने के लिए अभियान शुरू करके अंतरराष्ट्रीय कानूनों को कमजोर किया जा रहा है। भारत और पाकिस्तान में रहने वाले मुसलमानों के लिए भी यही स्थिति है। भारत के विभाजन के बाद जो अराजकता देखने और सुनने को मिली वह अफसोसजनक है क्योंकि इस आजादी का जश्न सभी ने मिलकर मनाया और आजादी को दो भागों में बांट दिया गया और इस के भरपाई भारत में रहने वाले मुसलमानों को आज तक करना पड़ रहा है। जबकि भारत में रहने वाला मुसलमान अपने देश से उतना ही प्यार करता है जितना अन्य धर्मों के लोग और इससे साबित होता है कि यहां का मुसलमान यहीं पैदा होता है और यहीं की मिट्टी में दफन होता है। और इससे अच्छा भारतीय होने का क्या उदाहरण हो सकता है ।

ईवीएम हटाओ-बैलेट लाओ, सपा कार्यालय पर लगी होर्डिंग

लखनऊ। लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगाई गई। इन पर लिखा गया ईवीएम हटाओ और देश बचाओ, ईवीएम हटाओ बैलट लाओ। सपा के युवजन सभा के पूर्व प्रदेश सचिव ने कहा कि अमेरिका की तरह बैलेट पर भारत में भी चुनाव हो। इससे पहले अखिलेश यादव ने भी बैलेट से चुनाव पर विचार करने के लिए कहा था।

विपक्ष में कांग्रेस और बसपा के नेता भी ईवीएम हटाने की मांग करते रहे हैं। सपा कार्यालय के बाहर लगी होर्डिंग के बाद बीजेपी सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा, लगता है कि सपा के नेता 2024 में होने वाली हार को अभी से भाप गए हैं। इसलिए पहले ही ऐसी बात करने लगे हैं। देखिए, जब सपा और विपक्ष, चुनाव में हारता है, तो ऐसी बाते करता है। लेकिन जब जीतता है, तो कभी ईवीएम को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं करते हैं।उन्होंने कहा, सपा नेताओं को याद रखना चाहिए। कि यूपी की सत्ता में 2012 में जब आप आए, तो सत्ता में बसपा थी। ईवीएम सबसे निष्पक्ष नतीजों के लिए जानी जाती है। लोग इसकी मदद से कम समय में अपना मत दे पाते हैं। अब सपा के ऐसे स्टंट का कोई भरोसा नहीं करेगा। बीजेपी पूर्ण बहुमत में आती है, सपा को खाता खोलना मुश्किल हो गया। इसलिए ऐसी बातें कर रही हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश ने एक्स के जरिये को कहा कि ईवीएम को लेकर एक जनमत कराने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में जनता को सिर्फ सरकार चुनने का ही अधिकार नहीं होता, चुनने के माध्यम को भी चुनने का भी अधिकार होता है। इसी के आधार पर दुनिया के विकसित देशों ने ईवीएम के स्थान पर फिर से बैलेट पेपर यानी मतपत्र से चुनाव कराना शुरू कर दिया है। बैलेट पेपर निर्वाचन की सत्यता का पुख्ता सुबूत होता है।

रोचक प्रतियोगिताओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया देश-विदेश के छात्रों ने

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड ऑडिटोरियम में चल रहे चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड (आई.ई.ओ.–2023) के तीसरे दिन आज देश–विदेश से पधारे प्रतिभागी छात्रों ने कोरियोग्राफी एवं क्विज़

प्रतियोगिताओं के माध्यम से बड़े ही जोरदार ढंग से पर्यावरण संरक्षण का अलख जगाया। विदित हो कि सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड का आयोजन 11 से 14 दिसम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है जिसमें नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, अमेरिका, रूस, यूएई, सऊदी अरब एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों के प्रतिभाग कर रहे हैं। आई.ई.ओ.–2023 में प्रतियोगिताओं का सिलसिला आज रिदम डिवाइन (कोरियोग्राफी) से हुआ, जो कि सभी के आकर्षण का केन्द रही। स्कूल कैटेगरी के अन्तर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम से 6 से 10 छात्रों ने प्रतिभाग किया और नृत्य व संगीत के माध्यम से न सिर्फ प्रकृति के अलौकिक सौन्दर्य का वर्णन किया अपितु प्रकृति से छेड़छाड़ की स्थिति में प्रकृति के कोप को भी दर्शाया। 'लव फॉर नेचर' थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों ने अपने हाव–भाव, नृत्य प्रस्तुति, लय–ताल का सुन्दर संयोजन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित दर्शकों ने तालियां बजाकर सभी प्रतिभागियों की हौसलाअफजाई की। अपरान्हः सत्र में आयोजित ट्री ऑफ रीसाइलेन्स (क्विज) प्रतियोगिता का फाइनल राउण्ड भी अत्यन्त रोचक रहा। लिखित राउण्ड से चयनित 8 टीमों ने फाइनल राउण्ड में प्रतिभाग किया एवं अपने ज्ञान, प्रतिभा व सूझबूझ से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिभागी टीमों ने बिजली की गति से पूछे गये प्रश्नों का जवाब देकर न सिर्फ अपनी हाजिरजवाबी का प्रदर्शन किया अपितु पर्यावरण के प्रति अपनी संजीदगी को भी रेखांकित किया। सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि यह अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड बड़ी ही सफलतापूर्वक अपने समापन की ओर बढ़ रहा है, जो कल 14 दिसम्बर, वृहस्पतिवार को अपरान्हः 3.00 बजे रंगारंग शिक्षात्मक–साँस्कृतिक कार्यक्रमों एवं पुरस्कार वितरण के साथ सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में सम्पन्न हो जायेगा। समापन समारोह में देश–विदेश के विजयी प्रतिभागियों को शील्ड, मेडल, सार्टिफिकेट आदि पुरस्कारों से पुरष्कृत कर सम्मानित किया जायेगा।

विश्वविद्यालय में हुआ बच्चो को ऑनलाइन गेमिंग की लत से मुक्ति के लिए जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग और हेड डिजिटल वर्क्स के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुए 'मोबाइल गेमिंग डीएडिक्शन अभियान के अंतर्गत "खेलो मगर ध्यान से" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे उप–मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा शराब के नशे जैसी घातक है ऑनलाइन गेमिंग की लत। आप सब विद्यार्थियों के माता–पिता विद्यालय, विश्वविद्यालय आपको पढने के लिए भेजते हैं। यहाँ से निकलकर आप आईएएस, आईपीएस, जन नेता बने तो ठीक हैं वरना जीवन बर्बाद करने से अधिक कुछ नहीं होगा। आप विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भी बन सकते हैं। लेकिन इन सबको पाने के लिए आपको मोबाइल की लत छोडनी ही होगी। मोबाइल हमारी जरूरत का एक संसाधन है जो हमारी आदत न बने तो ज्यादा बेहतर होगा। मोबाइल में ऑनलाइन गेम ही समय गुजारने का जरिया तो बना लेकिन मनोरंजन का यह साधन अब बुरी लत में तब्दील हो गया है। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि सहभाग कर रहे प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि यदि भारत को पुनः विश्व गुरु बनना है। तो आप सभी युवाओं को मोबाइल की लत छोडनी होगी। आपके ऊपर देश का उत्तरदायित्व है और यदि जिम्मेदारी उठाने वाले कंधे मोबाइल की लत से कमजोर पड़ जायेंगे। तो देश का विकास ही धीमा पड़ जायेगा। कार्यक्रम में लखनऊ पश्चिम के एडिशनल पुलिस कमिश्नर एवं साइबर एक्सपर्ट चिरंजीव नाथ सिन्हा ने अपने व्याख्यान में कहा कि ऑनलाइन खेलना ही क्यों, जब आपके पास मनोरंजन के लिए किताब, गायन और मैदानी खेल पहले से ही हैं। जिनसे आपका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। यदि खेल ही रहे हैं तो बिना सोचे समझे किसी नोटिफिकेशन का जवाब न दें। साथ ही उन्होंने साइबर ट्रैप से बचने के लिए भी बच्चों को प्रशिक्षित किया। बतौर साइबर एक्सपर्ट और मनोवैज्ञानिक कार्यक्रम में आमंत्रित प्रोफेसर प्रदीप कुमार खत्री ने बताया कि अगर हम मोबाइल प्रबंधन नहीं करते हैं तो हमें मनो–चिकित्सक के पास जाने से कोई नहीं रोक सकता है। भारत की अग्रणी मोबाइल गेमिंग कंपनी हेड डिजिटल वर्क्स के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि आज मोबाइल के माध्यम से बहुत सारे प्रलोभन दिए जा रहे हैं। लेकिन आपको किसी भी लालच में नहीं फंसना है। ऑनलाइन गेमिंग में लोग इनाम के चक्कर में गेम खेलने लगते है फिर उनको इसकी लत लग जाती है। एक बात हमेशा ध्यान रखिये कि यह एक रोग की तरह और यह रोग लालच में बढ़ता चला जाता है। कार्यकम में विभाग वरिष्ठतम प्रोफेसर डॉ. राज कुमार सिंह, कुलानुशासक प्रोफेसर राकेश द्विवेदी, डॉ. रजनीश कुमार यादव, डॉ. ओमेन्द्र कुमार यादव, डॉ. गरिमा सिंह, डॉ. शिखा सिंह, डॉ. रमेश कुमार त्रिपाठी, डॉ. अन्विता वर्मा, डॉ. रोहित मिश्र सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमपी में भाजपा के यादव कार्ड ने यूपी में बढ़ाई सपा की चिंता

लखनऊ,(यूएनएस)। मध्यप्रदेश के चुनाव नतीजों के बाद भाजपा द्वारा यादव चेहरे को मुख्यमंत्री बनाने के फैसले ने यूपी में समाजवादी पार्टी (सपा) की चिंता बढ़ा दी है। पार्टी को अपने मूल वोट बैंक यादव पर सेंधमारी होने का खतरा नजर आ रहा है। भाजपा ने एमपी में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर

जो यादव कार्ड खेला है, उसका सीधा असर यूपी में पड़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसे में आगामी आम चुनाव में सपा के लिए आगे की डगर चुनौती भरी हो सकती है। राजनीतिक जानकर बताते हैं कि राम नरेश यादव से लेकर मुलायम सिंह और अखिलेश यादव तक तीन यादव पांच बार यूपी के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यादव वोट बैंक भाजपा के लिए कितना महत्वपूर्ण है। आंकड़ों के अनुसार, यूपी की 24 करोड़ आबादी में यादवों का हिस्सा लगभग 9–10 फीसदी है। इसके साथ, प्रदेश में कई दर्जन जिले ऐसे हैं, जिनमें यादव आबादी लगभग 20 प्रतिशत है। यादव वोट बैंक पर समाजवादी पार्टी की सबसे मजबूत पकड़ मुलायम के जमाने से चली आ रही है। सपा के एक नेता ने बताया कि यादव वोट बैंक पर सपा का विश्वास सपा के स्थापना काल से चला आ रहा है। मुलायम ने अपने क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत कुछ किया है। इसलिए इस वोट बैंक पर किसी और दल के नेता को कोई पद देने से ज्यादा कुछ फर्क तो नहीं पड़ेगा। हालांकि अलर्ट रहने की जरूरत है। क्योंकि बुंदेलखंड बेल्ट में यह वोट बैंक का झुकाव जरूर दूसरी ओर हो सकता है। इसे साधने के लिए तैयारी करनी पड़ेगी। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को इसकी चिंता भी है। उनके इसके लिए मेहनत करनी पड़ेगी।राजनीतिक विश्लेषक प्रसून पांडेय कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के इटावा, एटा, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, फिरोजबाद, कन्नौज, बदायूं, आजमगढ़, फैजाबाद, बलिया, संतकबीर नगर, जौनपुर और कुशीनगर जिले को यादव बहुल माना जाता है। इन जिलों की करीब 50 विधानसभा सीटें हैं, जहां यादव वोटबैंक काफी महत्वपूर्ण हैं। भाजपा ने 2017 के बाद से ही यादव वोटों को साधने में जुटी है। जौनपुर सीट से जीते गिरीश यादव को मंत्री बनाया। इटावा के हरनाथ यादव को राज्यसभा सदस्य बनाया। सुभाष यदुवंश को पहले बीजेपी युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया और अब प्रदेश संगठन में जगह दे रखी है। इसके आलावा उन्हें एमएलसी भी बना रखा है। कई जिलों जिला पंचायत और नगर निकाय में जगह दी है। इस मुहिम के चलते उसने आजमगढ़ लोकसभा चुनाव में लोहा लोहे को काटता है कि तर्ज पर धर्मेंद्र यादव के मुकाबले भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ को उतारा और चुनाव जीत लिया था। मध्य प्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बना कर भाजपा ने जो बिसात बिछाई है, उसमें अब सपा को पीडीए में मूलवोट बैंक यादव को संभालने के लिए भी खासी मशक्कत करनी होगी।एक अन्य राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव जातिवार जनगणना को लेकर भाजपा सरकार को घेरते आ रहे हैं। ऐसे में भाजपा ने मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री घोषित कर उनके सामने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। प्रदेश की ओबीसी जातियों में यादवों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। इस वोटबैंक पर सबसे मजबूत कब्जा सपा का ही माना जाता रहा है। भाजपा के इस कदम से साफ है कि आगामी लोकसभा चुनाव में उसका फोकस इस बार यादव समाज भी होगा।

भारतीय भाषा उत्सव के अवसर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विभागों एवं स्कूलों में भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्कृत विभाग में दो दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर भूपेन्द्र सिंह बेदी, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला ने गुरूग्रन्थ साहिब पर संस्कृत भाषा का प्रभाव विषय पर अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा की व्यापकता को स्पष्ट किया। प्रोफेसर पूनम जैघ्न, प्रोफेसर धर्मसमाज कालिज, आलीगढ़ ने वर्तमान समय में संस्कृत भाषा एवं साहित्य की विशेषताओं को अभिव्यक्त करते हुए आधुनिक समय संस्कृति की उपयोगिता पर बल दिया। डा पठान कासिम खान सहायक आचार्य, तेलुगु वर्ग, आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, एएमयू ने अपने अपने व्याख्यान में तेलुगु भाषा एवं साहित्य की विशेषताओं को बताते हुए संस्कृत भाषा के साथ तेलुगु की घनिष्ठता को प्रस्तुत किया।दूसरे दिन विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर ह्रयेश्वर दीक्षित प्रोफेसर, वेद विभाग, संस्कृति विद्य घर्म विज्ञान संकाय काशी हिन्दू विश्वविशलय, वाराणसी ने आरोपीय भाषा परिवार में संकृत की प्रासंगिकता विषय पर अपने भाषा वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर संस्कृत की महत्व को प्रकट किया प्रोफेसर उदय नाथ साहू, प्रोफेसर भारतीय भाषा अध्ययन केन्द्र, स्कूल ऑफ लेंग्वेज, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू, नई दिल्ली ने महान भारतीय महाकाव्य महाभारत के उड़ीसा, पाश्चिम बंगाल तथा असम भाषा में हुए अनुवाद को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया। प्रोफेसर टीएन सतीशन, आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, एएमयू ने मलयालम भाषा एवं साहित्य पर संस्कृत का प्रभाव' विषय पर अपने सारगकित व्याख्यान को व्यक्त किया। प्रोफेसर श्वेता दीप्ति, प्रोफेसर, केन्द्रीय हिन्दी विभाग त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू ने नेपाली भाषा एवं साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हिमंशु शेखर आचार्य ने विशिष्ट वक्ताओं, विद्वानों, शिक्षकों, तथा पूर्व छात्र–छात्राओं का स्वागत किया। डा सारिका वार्ष्णेय तथा डा हेमबाला ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के अन्त में डा. जफर इफ्तेखार ने उपस्थित सभी वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया। एएमयू सिटी गर्ल्स हाई स्कूल (काजीपाड़ा) में भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षा प्रधानाचार्य डॉक्टर मोहम्मद आलमगीर ने की। "भारतीय भाषा उत्सव" के तहत निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।डॉक्टर मोहम्मद आलमगीर ने भारतीय भाषाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी भाषाओं का अपना–अपना महत्व होता है। कोई भी भाषा किसी से कम नहीं होती। उन्होंने कहा कि भाषा उत्सव मनाने का उद्देश्य सभी भाषाओं को बढ़ावा देना है। हमें यह प्रयत्न करना चाहिए कि हम अपनी भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषा भी सीखने का प्रयत्न करें। हमारे देश में अनेक धर्म, संप्रदाय जाति, वर्ग के लोग रहते हैं जिनकी भाषा भिन्न–भिन्न है लेकिन भाव सबका एक हैं। अनेकता में एकता ही हमारी पहचान है और हमें इसी एकता के साथ मिलकर अपने देश की प्रगति के लिए काम करना होगा।

सेलिना दिलशाद, जीशान नवाब व अन्य असगर आलम, शिक्षक तारिक हफीज ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।इसके अतिरिक्त एएमयू अहमदी स्कूल में भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विविध भाषाओं की पद्य–पाठ प्रतियोगिताओं के साथ–साथ स्वरचित काव्य लेखन प्रतियोगिताएँ तथा भाषा का महत्त्व शीर्षक पर निबंध लेखन प्रतियोगिता और भाषा क्या है विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अलग–अलग शिक्षार्थियों ने अलग–अलग विषयों पर अपनी सम्मोहक काव्य प्रस्तुति और भाषण प्रस्तुति से समस्त सुधी श्रोताओं को रसविभोर किया। जिसमें निबंध लेखन में वरिष्ठ वर्ग से मेराज–प्रथम, मंजु–द्वितीय, गुलाम हुसैन–तृतीय और यासमीन सांत्वना पुरस्कार की विजेता बनीं तथा कनिष्ठ वर्ग से कृष्णा–प्रथम, आतिफा–द्वितीय और भारती–तृतीय तथा देव रावत–सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत हुए। भाषण प्रतियोगिता में मेराज–प्रथम, भारती–द्वितीय, शौकत तृतीय व ध्रुव को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कविता पाठ में आतिफा–प्रथम, भारती–द्वितीय, कृष्णा–तृतीय व मेराज–सांत्वना पुरस्कार विजेता रहे। प्रिन्सिपल डॉ० नायला राशिद ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी।

एसटीएफ ने फर्जी कागज पर लोन दिलाने वाले गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया

लखनऊ। यूपी एसटीएफ को फर्जी आधार, पैन कार्ड व वोटर कार्ड बनाकर दोपहिया वाहन व अन्य उपकरण पर लोन कराकर कम दामों पर बेचकर ठगी करने वाले गैंग के 3 सदस्यों को आगरा जनपद से गिरफ्तार किया है। संजेश कुमार वर्मा,राहुल वर्मा निवासी आगरा और किशन सिंह फिरोजाबाद के रहने वाले है। जिनके पास से सिंगल फिंगर डिवाइस, जीपीएस डिवाइस फर्जी पेन कार्ड ,ड्राइविंग लाइसेंस सहित कई बैंक के एटीएम कार्ड मिले है। एसटीएफ फील्ड ईकाई आगरा के पुलिस उपाधीक्षक उदय प्रताप सिंह की टीम को सूचना मिली थी कुछ लोग जो फर्जी तरीके से आधार कार्ड, पैन कार्ड व निर्वाचन कार्ड बनाकर बैंकों में फर्जी खाते खुलवाकर दुकानों से सामान खरीद कर बेच देते हैं। जिनको एसटीएफ टीम आगरा द्वारा पालीवाल पार्क के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध थाना हरिपर्वत कमिश्नरेट आगरा में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पर्यटन मंत्री ने किया राज्य संग्रहालय में वीथिका का लोकार्पण

नवीनीकृत वीथिका में अवध की संस्कृति की मिलेगी झलक : जयवीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज राज्य संग्रहालय लखनऊ में अवध वीथिका के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि इसके माध्यम से दर्शक अवध की गौरवशाली संस्कृति के विविध आयामों को देख सकेंगे। वीथिका में अवध की गौरवशाली संस्कृति एवं हस्तशिल्प आदि की झलक प्रस्तुत की गयी है। इसके साथ ही विभिन्न कलाकृतियों एवं पुरावशेषों का संग्रह कर उन्हें जनसामान्य के अवलोकनार्थ किया गया है। जयवीर सिंह ने कहा कि 171.80 लाख रूपये की लागत से अवध वीथिका का सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य कराया गया है। वीथिका में अवध की संस्कृति से संबंधित मीनाकारी, ग्लासवेयर, बीदरी वेयर, टेक्सटाइल, मेटल वेयर, मिट्टी के खिलौने, वाद्य यंत्र एवं अन्य वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया है। वीथिका में डिजिटल कियोस्ट, टेबलेट्स एवं प्रोजेक्टर आदि आधुनिक तकनीकों का भी प्रयोग किया गया है। इन उपकरणों से दर्शकों को अवध की कला एवं संस्कृति के विषय में अधिकतम जानकारी प्राप्त हो सकेगी। प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि प्रदेश के संग्रहालयों को उच्चीकृत किया जा रहा है। सभी संग्रहालयों में आधुनिक तकनीकी तथा आगमेन्टेड रियलिटी, वर्चुअल रियलटी तथा थ्रीडी मैपिंग का प्रयोग कर इन्हें और अधिक रूचिकर व सूचनात्मक बनाया जायेगा। इस अवसर पर संग्रहालय कीनिदेशक डा सृष्टि धवन ने अतिथियों का स्वागत किया।

80 फीसदी बसों में ऑलवेदर बल्व व रिफ्लेक्टिव टेप

बांदा। ठंड और कोहरे ने दस्तक दे दी है। ऐसे में परिवहन निगम ने 80 फीसदी बसों में ऑलवेदर बल्व व नए वाइपर लगाए हैं। बसों में रिफ्लेक्टिव टेप भी लगाया जा रहा है। ताकि दुघर्टनाओं को रोका जा सके। बांदा डिपो की सड़क पर 101 बसें संचालित है। इनमें पांच बसें दुर्घटनाओं के चलते मरम्मत के लिए वर्कशाप में खड़ी हैं। मौजूदा समय में 96 बस मार्ग पर चल रही है। इधर, विभाग ने कोहरे से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि 81 बसों में ऑल वेदर बल्व लगा दिया गया है। यह बल्व कोहरे को चीरते हुए चालक को राह दिखाएंगा। इसके अलावा बसों में रिफ्लेक्टिव टेप लगाया गया है। टेप के लगने से सामने व पीछे से आने वाले वाहनों को बस का पता चल सकेगा। जिन बसों के वाइपर खराब थे, वे भी बदल दिए गए हैं। शीशे में जमी ओस साफ करने के लिए वाइपर लगाए जा रहे हैं। परिचालकों को जिम्मेदारी दी गई है कि सभी बसों में इन दिक्कतों को दूर करा लिया जाए। जिस बसों की खिड़की में शीशे न हो, उन्हें मार्ग पर कतई न ले जाए। एआरएम लक्ष्मण सिंह ने कहा कि बसों को चालक की मौजूदगी में चेक करने के बाद ही मार्ग पर भेजा जा रहा है। बस में खामियां मिलने पर तत्काल उसे दुरूस्त कराया जाता है। लंबी दूरी की बसों को चालकों को कहा गया है कि कोहरे जैसी स्थिति होने पर बसों की स्पीड को कम कर दें। आरएम संदीप अग्रवाल ने कहा कि अधिक ठंड होने पर जरूरत पड़ी तो लंबी दूरी की सुबह व रात में चलने वाली बसों में हीटर व ब्लोवर भी लगाया जाएगा। ताकि चालक व यात्रियों को दिक्कत न हों। एआरएम से कहा गया है कि बसों के ठहराव स्थलों पर अलाव की भी व्यवस्था की जाए। बबेरू के ऐतिहासिक सिमौनीधाम में 15 दिसंबर से लगने वाले मेला व भंडारा के लिए परिवहन निगम ने 25 मेला स्पेशल बसें लगाई हैं। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि 15 से 17 दिसंबर तक बांदा–सिमौनीधाम–बबेरू तीन, बांदा–सिमौनीधाम–बबेरू–कानपुर नौ, बांदा–सिमौनीधाम–कर्वी नौ, बांदा–सिमौनीधाम–फतेहपुर दो, बांदा–सिमौनीधाम–हमीरपुर एक बस का संचालन किया जाएगा।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, दो सगे भाई घायल

उरई / जालौन। जालौन–औरैया स्टेट हाईवे पर रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां तेज रफ्तार कार ने झांसी से औरैया जा रहे बाइक सवार दो सगे भाइयों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कार चालक मौके से भाग गया। हादसे को देख रहगीरों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस के साथ एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों भाइयों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार करने के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। घटना जालौन कोतवाली क्षेत्र के जालौन औरैया स्टेट हाईवे स्थित ग्राम सहाव मोड़ के पास हुई। फतेहपुर के रहने वाले दो सगे भाई अंकुश और विमलेश झांसी में रहकर ठेकेदारी कर रहे थे। दोनों भाई औरैया के देवरिया में रहने वाली अपनी बहन से मिलने के लिए जा रहे थे, जब वह बाइक से सहाव मोड़ के पास पहुंचे तभी विपरीत दिशा से आ रही एक कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी की बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों सगे भाई सड़क पर उछलकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद चालक कार लेकर मौके से भाग गया। हादसे को देख वहां से निकलने वाले लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके साथ ही एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने हालात देखते हुए प्रथम उपचार करने के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। घायल अंकुश ने बताया कि कर में सवार सभी लोग शराब पी रहे थे और वह विपरीत दिशा से आ रहे थे, शराब के नशे में होने के कारण यह घटना हुई है। फिलहाल पुलिस कार चालक और उसमें सवार लोगों कर बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही है।

डॉ. पंकज खराडे इंडियन प्रोस्थोडॉन्टिक सोसायटी के ईसी सदस्य बने

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. जेड ए डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग के डॉ. पंकज प्रकाश खराडे को गोवा में आयोजित 51वें इंडियन प्रोस्थोडॉन्टिक सोसाइटी नेशनल सम्मेलन में दूसरे कार्यकाल के लिए प्रतिष्ठित भारतीय प्रोस्थोडॉन्टिक सोसाइटी के राष्ट्रीय ईसी सदस्य के रूप में चुना गया है।

राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर के कई संस्थानों के शिक्षकों और प्रोस्थोडॉन्टिक विशेषज्ञता के चिकित्सकों ने भाग लिया।डॉ. पंकज ने इंट्राओरल और एक्स्ट्राओरल इम्प्लांट प्लेसमेंट के लिए मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थेटिक उपचार की जटिल नैदानिक स्थितियों के प्रबंधन के लिए ग्राफ्टिंग समाधान के बारे में एक कोर्स भी आयोजित किया। उन्होंने सिर–गर्दन के कैंसर रोगियों के कृत्रिम उपचार में प्रत्यारोपण की भूमिका के बारे में विचार–विमर्श किया।

मानदेय और सामग्री खरीद के भुगतान पर शौचालय केयर टेकर, सचिव से नाराज

बस्ती। रामनगर ब्लॉक के गांवों में संचालित सामुदायिक शौचालयों के केयर टेकरों ने ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर मानदेय और खरीद सामग्री का समय से भुगतान न दिए जाने को लेकर नाराजगी जताई। केयर टेकरों ने बीडीओ रामनगर को शिकायती प्रार्थनापत्र सौंपा। अवगत कराया कि उन्हें समय से न तो मानदेय का भुगतान किया जाता है और न ही सफाई और अन्य मद मे खरीदी गई सामग्री के रुपये का ही भुगतान किया जा रहा है। इससे शौचालय का संचालन अपने पास से धन खर्च कर करना पड़ रहा है। केयर टेकरों ने आरोप लगाया कि जब सचिव से रुपये की मांग की जाती है तो उन्हें हटा देने की बात कही जाती है। ब्लॉक के खम्हरिया पूरब और गन्धरिया बुर्जुग के केयर टेकरों ने कहा कि सचिव शौचालयों की मरम्मत भी नही करा रहे हैं, जिससे स्थिति और बदहाल हो गई। वहीं सचिव प्रमोद कुमार ने कहा कि उनकी ओर से जब भी जांच की जाती है तो शौचालय बंद पाया जाता है। कुछ स्थानों पर केयर टेकर दरवाजा खुला छोड़कर चले जाते हैं, जिससे बच्चे दरवाजा व टोटी आदि तोड़ देते हैं। बताया कि सभी केयर टेकरों की ओर से उनके व्यक्तिगत खाते में धन भेजने की मांग की जा रही है। बीडीओ रमेश दत्त मिश्र ने बताया कि सामग्री खरीद के पैसै का भुगतान के लिये केयर टेकरों को डिमांड करने और उसका बिल बाउचर प्रस्तुत करने को कहा गया है। साथ ही शौचालय में जो कमी बताई गई है उसे ठीक कराने के लिये सचिव को निर्देश दिया गया है।

एचडीएफसी बैंक ने उत्तर प्रदेश में रु. 2.75 लाख करोड़ के बिजनेस का आंकड़ा पार किया

लखनऊ। भारत के निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक का उत्तर प्रदेश में कुल कारोबार ने रु. 2.75 लाख करोड़ के आंकड़े को पार किया है 30 सितंबर, 2023 तक कुल कारोबार 2,81,639 करोड़ रुपये था, जो साल–दर–साल 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह घोषणा आज लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के ब्रांच बैंकिंग प्रमुख श्री अखिलेश कुमार रॉय ने की। राज्य स्तरीय बैंकर समिति (एसएलबीसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 30 सितंबर 2023 तक, राज्य में बैंक की अग्रिम राशि रु. 1,44,170 करोड़ जबकि जमा राशि रु. 1,37,469 करोड़, क्रमशः 74.6 प्रतिशत और 35.6 प्रतिशत की वर्ष–दर–वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। बैंक की राज्य स्तरीय जमा में रैंकिंग तीसरी (मार्च 2023 में पांचवीं) और कुल अग्रिम में दूसरी (मार्च 2023 में तीसरी) हो गई है। 30 सितंबर, 2023 तक 31,267.87 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि के साथ यह एमएसएमई क्षेत्र का सबसे बड़ा ऋणदाता है।एमएसएमई क्षेत्र आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में कार्य करता है और अर्थव्यवस्था में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है। 30 सितंबर, 2023 तक ऋण जमा अनुपात 104.9 प्रतिशत है।1997 में लखनऊ शहर के हजरतगंज में अपनी पहली शाखा के शुभारंभ के साथ राज्य में अपनी यात्रा शुरू करने के बाद से उत्तर प्रदेश बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण सक्षम राज्य रहा है। तब से, बैंक ने उत्तर प्रदेश में अपने शाखा नेटवर्क को तेजी से 777 शाखाओं और 1,603 एटीएम (30 सितंबर, 2023 तक) तक विस्तारित किया है। इसने ग्राहकों को सुविधा और लचीलापन प्रदान करने के लिए राज्य में अपनी डिजिटल बैंकिंग रणनीति को भी बढ़ावा दिया है।बैंक की योजना वित्त वर्ष 2023–24 में राज्य में लगभग 125 शाखाएँ जोड़ने और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 1,200 नौकरियाँ पैदा करने की है।एचडीएफसी बैंक के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड ब्रांच बैंकिंग प्रमुख श्री अखिलेश कुमार रॉय ने कहा कि "एचडीएफसी बैंक में, हमने हमेशा अपने ग्राहकों के लिए एक सहज बैंकिंग अनुभव सक्षम करने के लिए ग्राहक केंद्रित नवाचारों, बेहतर डिजिटल क्षमताओं और एक कुशल शाखा बैंकिंग नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित किया है। शाखा विस्तार पर ध्यान देने के साथ–साथ अपनी मजबूत निष्पादन क्षमताओं के साथ, हम राज्य में विकास के अवसरों का दोहन करने और उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान देने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

एनडीआरएफ ने बीकेटी लखनऊ में किया माकड्रिल

लखनऊ। बक्शी का तालाब स्थित दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्रामीण विकास संस्थान लखनऊ में एनडीआरएफ द्वारा माकड्रिल किया गया। जिसमे एक ब्लास्ट होने से हुए एटोमिक रेडियेशन में कुछ लोगों के फंसे होने का दृश्य रखा गया था। इस माकड्रिल के प्रथम चरण में एनडीआरएफ अधिकारियों, परमाणु ऊर्जा के अधिकारीगण, उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारीगण, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा बैठक कर इस माकड्रिल अभ्यास की सम्पूर्ण रूप रेखा तैयार की गयी। माकड्रिल में ब्लास्ट के कारण हुए एटोमिक रेडियेशन से कुछ लोगों के फंसे होने का दृश्य रखा गया। जिसमे राज्य प्रशासन द्वारा सूचना देकर सर्च एवं रेस्क्यू के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम को एवं अन्य एजेंसियों को बुलाया गया। एनडीआरएफ की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंच कर सुरक्षा उपकरणों को पहनकर उस क्षेत्र में प्रवेश किया। फिर मेडिकल टीम ने घायलों को स्थिरता प्रदान करते हुए बाहर निकाला। इसके बाद एनडीआरएफ के जवानों ने नौ चरणों से गुजरकर स्वयं को रेडियेशन के दूषण से अलग किया। अभ्यास 11 एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के दिशा निर्देशन तथा सूर्य प्रताप शाही (वीसी, एसडीएमए) की अध्यक्षता में संचालित किया गया। एनडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम द्वारा खोज एवं बचाव का कार्य किया गया।

कार्यस्थल में लिंग जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लखनऊ। नियंत्रक संचार लेखा की लखनऊ इकाई द्वारा कार्यस्थल में लिंग जागरुकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुये आई.एफ.ओ.एस.,उपमहानिरीक्षक डॉ. प्राची गंगवार ने कहा कि मौजूदा पितृसत्तात्मक समाज में शिक्षा के माध्यम से ही सामाजिक मानदंडों में बदलाव लाना संभव है। ऐसे में समाज में लिंग आधारित रूढ़िवादिता और लैंगिक आधार पर भूमिकाओं के निर्धारण के मुद्दे को संबोधित करने तथा लड़कियों के बीच लैंगिक भेदभाव के प्रभाव को कम करने की दिशा में, इस तरह के डिजाइन किए गए। लिंग संवेदनशील पाठ्यक्रम एवं शिक्षण पद्धतियां, बदलाव को गति देने वाले कारक साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि जेंडर एट वर्क एक ऐसी दुनिया की कल्पना करता है। जो महिलाओं के मानवाधिकारों और समानता की संस्कृतियों, विशेषकर लैंगिक समानता को महत्व देता है। डां गंगवार ने कहा कि हम समझते हैं कि असमानता रखने वाली सत्ता की प्रणालियों को बदलने के लिए लोगों, संस्थानों और संगठनों के बीच संबंधों को बदलना होगा। संगीत कुमार नियंत्रक संचार लेखा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुये कहा कि कार्यस्थलों के लिए लैंगिक समानता हासिल करना न केवल इसलिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह निष्पक्ष और सही काम है, बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह देश के समग्र आर्थिक प्रदर्शन से भी जुड़ा हुआ है। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता निम्न से जुड़ी हैरू बेहतर राष्ट्रीय उत्पादकता और आर्थिक विकास। लिंग भेदभाव अक्सर पूर्वकल्पित, गलत सामाजिक और व्यक्तिगत धारणाओं में निहित होता है। कि लिंग क्या है, लिंग कैसे दिखना चाहिए, या लिंग का प्रदर्शन कैसे किया जाता है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए बहुत से लोग गलत तरीके से मानते हैं। किसी का जैविक लिंग हमेशा उनके लिंग और इसलिए उनके दृष्टिकोण और व्यवहार को निर्धारित करता है। कार्यालय नियंत्रक संचार लेखा, दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय , भारत सरकार, लखनऊ द्वारा कार्यस्थल में लैंगिक संवेदनशीलताष विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में डॉ. प्राची गंगवार, आई.एफ.ओ.एस. ,उपमहानिरीक्षक, वन (सी), एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, एम.ओई.एफ.सी.सी., लखनऊ बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुई लैंगिक संवेदनशीलता बढाने हेतु उन्होंने प्रत्येक महिला को परिवार की सदस्य समझते हुए व्यवहार करने पर बल दिया एवं लैंगिक संवेदनशीलता के सम्बन्ध में सरकार द्वारा इस दिशा में किये गए प्रयासों से सभी को अवगत कराया। संगीत कुमार, नियंत्रक संचार लेखा उ.प्र. (पूर्व) ने भी अपने बहुमूल्य एवं बहुपयोगी विचारो से सबको प्रेरित किया इस अवसर पर अर्चना कुमारी (लेखाधिकारी), संवेदना सिंह (लेखाधिकारी), ए.एच.खान (सहायक लेखाधिकारी) ने भी अपने विचार साझा किये।

विश्वनाथ कॉरिडोर के दो साल पूरे होने पर निकली शोभायात्रा

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ कॉरिडोर बने आज यानी 13 दिसंबर को 2 साल हो गए। 2021 में आज ही के दिन मंदिर का 200 गुना विस्तार किया गया था। उसके इनॉगरेशन के उपलक्ष्य में आज देवाधिदेव शिव की 5 किलोमीटर लंबी शोभायात्रा निकाली गई। काशी विश्वनाथ के मुख्य द्वार पर खोपड़ी पहने कलाकार के रूप में पिशाचों ने तांडव किया। काशी विश्वनाथ के गेट पर अग्नि और शस्त्र लेकर मां काली ने तांडव मचाया तो हर–हर महादेव के जयकारे गूंज उठे। यहां महादेव की चिता भस्म से आरती भी की गई। शोभा यात्रा मैदागिन से शुरू हुई और चितरंजन पार्क पर जाकर खत्म हुई। 10 झांकियों में महादेव की गाथा और भारत के कुछ प्रचलित इवेंट्स को दिखाया गया।

शोभायात्रा भोलेनाथ की शादी पर निकली बारात जैसी थी। करीब 5 किलोमीटर तक डीजे के अलावा ट्रेडिशनल बैंड, ढोल और नगाड़ों पर भक्त और संत एक साथ नृत्य करते दिखे।

देवी–देवता का रूप धरे कलाकार तांडव करते रहे। कुछ ने लोकनृत्य भी किया। रास्ते में आम लोग, पर्यटक और बाबा के दर्शनार्थी शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा करते रहे।

शोभायात्रा में भगवान शंकर और माता पार्वती बने कलाकारों ने कई मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मां काली का तांडव हुआ। देश के कई साधु–संत, योगी, तांत्रिक, औघड़ की टोली भी शोभायात्रा में दिखी। चंद्रयान का मॉडल, अयोध्या में तैयार हो रहे राम मंदिर की झांकी, मातृ वंदन बिल, महिला आरक्षण आदि झांकियां मुख्य रहीं। बुधवार सुबह 7 से 10 बजे तक 4 वेदों का पाठ किया गया। फिर आधे घंटे तक महारुद्राभिषेक हुआ। भक्तों के बीच प्रसाद बांटे गए। 10 मिनट में 3 क्विंटल पंचमेवा के लड्डू बांटे गए। इसके बाद करीब 10 मिनट तक लगातार डमरू वादन और शंख वादन हुआ। पूरा मंदिर परिसर बाबा विश्वनाथ के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद 30 मिनट तक हवन–पूजन हुआ। भक्तों और विद्वानों को भोजन भी कराया जाएगा। यहां देशभर से साधु–संत पहुंचे हैं। मंदिर में रात तक 5 लाख से ज्यादा भक्त बाबा का दर्शन–पूजन और जलाभिषेक करेंगे।

कतर्नियाघाट में थारू हट व गेस्ट हाउस फुल

बहराइच। प्राकृतिक सुंदरता से भरा कतर्नियाघाट पर्यटकों को खूब भा रहा है। दुर्लभ जीव जन्तुओं के दीदार के लिए काफी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। 22 दिसंबर से चार जनवरी 2024 तक वन विभाग व वन निगम के सभी भवन, थारू हट व गेस्ट हाउस फुल हो गए हैं। बहराइच जिले से 65 किलोमीटर दूर मिहींपुरवा के मोतीपुर से कतर्नियाघाट वन्यजीव विहार की शुरुआत होती है। 45 किलोमीटर की यात्रा के बाद पर्यटक कतर्नियाघाट पहुंचते हैं। इस बार वन निगम ने पर्यटकों की सुविधा के लिए तीन नए सफारी वाहन की शुरुआत की है। यह पर्यटकों को 45 किलोमीटर अधिक सैर कराएंगे। पर्यटक इसकी बुकिंग ऑनलाइन कर सकते हैं। वन निगम के जिला प्रबंधक अक्षत सिंह ने बताया कि दिसम्बर और जनवरी में अधिक संख्या में पर्यटक कतर्नियाघाट घूमने आते हैं। इसे देखते हुए वन विभाग तथा वन निगम ने काफी व्यवस्थाएं की हैं। कतर्नियाघाट वन रेंज में छह थारू हट, एक गेस्ट हाउस, निशानगाड़ा वन रेंज में डबल स्टोरी डारमेट्री, ककरहा वन रेंज में चार थारू हट व एक गेस्ट हाउस, मोतीपुर वन रेंज में तीन थारू हट एक डारमेट्री तथा एक गेस्ट हाउस की सुविधा पर्यटकों के लिए है।

बीएचयू की मालवीय पुष्प प्रदर्शनी राम मंदिर को रहेगी समर्पित,

10 हजार से अधिक फूल होंगे शामिल, साल भर इसका इंतजार करते हैं पुष्प प्रेमी

वाराणसी। बीएचयू में मालवीय जयंती पर तीन दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन 25–27 दिसंबर को किया जाएगा। मालवीय स्मृति पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन

25 दिसंबर को दोपहर दो बजे कुलपति द्वारा किया जायेगा। मालवीय भवन में लगने वाली प्रदर्शनी की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय सिंहद्वार एवं प्रभुराम मंदिर की झलक दिखाई देगी। प्रोफेसर आनंद ने बताया कि तीन दिवसीय चलने वाले इस पुष्प प्रदर्शनी को लेकर तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय एवं वाराणसी के आसपास के जनपदों से भी फूल इस पुष्प प्रदर्शनी में शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार पुष्प प्रदर्शनी में 10 हजार से अधिक फूलों का संग्रह यहां पर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से हमारी तैयारी है कि एक राम मंदिर का प्रारूप तैयार किया जाए एवं इस पुश प्रदर्शनी में शामिल होने वाले मुख्य द्वार पर बीएचयू सिंहद्वार का भी स्वरूप तैयार किया जाएगा। प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इस वर्ष प्रदर्शनी में मुख्य रूप से गुलदावदी के गमले एवं फूलों के संग्रह, कोलियस, विभिन्न प्रकार के शोभाकारी पौधे एवं रंगीन पत्तियों के समूह, गुलदावदी के कटे फूल, गुलाब के कटे फूल लीलियम, जरबेरा, कार्नेशन, ग्लैडियोलस, रजनीगंधा, बर्ड ऑफ पैराडाईज, गेंदा, गुलाब आदि पुष्पों के गमलें रिफ्लैक्स्ड, इनकर्वड, इनकर्निंग, स्पाइडर, पोममैन, स्पून, एनिमोन आदि प्रारूपों में प्रदर्शित किए जाएंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार के फल एवं सब्जियां, कलात्मक पुष्प सज्जा, मण्डप, विश्वविद्यालय मुख्यद्वार का प्रारूप, पुष्पों से सुसज्जित रंगोली, सुकर्तन कला (टॉपियरी) बोनसाई और हरी पत्तियों के संग्रह, मालवीय जी पर आधारित वास्तुकला के नमूने, मानव पक्षी एवं जल प्रपात आदि मुख्य रूप से आकर्षण के केन्द्र रहेंगे।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत शाहाबाद चयनित

इंडियन स्वच्छता लीग 2023 में मिला प्रदेश में दूसरा स्थान

हरदोई। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद शाहाबाद को तीन साल बाद फिर स्वच्छता अवार्ड मिलने जा रहा है। इंडियन स्वच्छता लीग 2023 अवार्ड के अंतर्गत नगर पालिका शाहाबाद को दूसरे नंबर पर चयनित किया गया है। स्केल ऑफ इंगेजमेंट में प्रथम स्थान पर गाजियाबाद की नगर पालिका परिषद लोनी और द्वितीय स्थान पर हरदोई जनपद की नगर पालिका परिषद शाहाबाद को चयनित किया गया है। नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इंडियन स्वच्छता लीग 2023 अवार्ड के अंतर्गत एक बार फिर से शाहाबाद नगर पालिका परिषद को चयनित किया गया है। अवार्ड के लिए चयनित नगर पालिका परिषद के अधिकारियों, स्टाफ, सफाई कर्मचारियों और सभासदों में प्रसन्नता व्याप्त है। शाहाबाद नगर पालिका परिषद को स्वच्छता सर्वेक्षण 2019 की टॉप 10 सूची में सम्मिलित होने का मौका मिला था। 6 मार्च 2019 को शाहाबाद नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष नसरीन बानो को दिल्ली के विज्ञान भवन में सम्मानित किया गया था। स्वच्छता राज्य मिशन निदेशालय लखनऊ द्वारा जारी प्रपत्र के माध्यम से स्वच्छता सर्वेक्षण के नतीजे की घोषणा की गई थी जिसमें यूपी की तीन नगर निगम और सात नगर पालिकाओं को चुना गया था। स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 के यूपी के परिणाम के ऐलान में शाहाबाद नगर पालिका को स्थान मिलने पर जनपद को गौरवान्वित होने का मौका मिला। जिलाधिकारी पुलकित खरे ने पालिका परिषद की अध्यक्ष नसरीन बानो और अधिशासी अधिकारी विमला पति को प्रशस्ति पत्र देकर जनपद मुख्यालय पर सम्मानित किया था। इस बार इंडियन स्वच्छता लीग 2023 अवार्ड के लिए 12 नगर पालिका परिषदों को चयनित किया गया है। जिसमें स्केल ऑफ इंगेजमेंट के अंतर्गत प्रथम स्थान पर गाजियाबाद की लोनी नगर पालिका परिषद और दूसरे स्थान पर हरदोई जनपद की शाहाबाद नगर पालिका परिषद का चयन किया गया है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत इंडियन स्वच्छता लीग 2023 अवार्ड के लिए प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों, अधिकारियों, सभासदों एवं सफाई कर्मचारियों में प्रसन्नता व्याप्त है।शाहाबाद नगर पालिका अध्यक्ष पद पर दूसरी बार विजय प्राप्त करने वाली नसरीन बानो का कहना है कि इस सम्मान के लिए सर्वप्रथम शाहाबाद नगर की सम्मानित जनता है। जनता ने स्वच्छता अभियान के तहत बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभाई। घर की महिलाओं व पुरुषों द्वारा कूड़े को पालिका द्वारा लगवाए गए गीले सूखे कूड़ेदानों में कूड़ा डाला गया ताकि सड़क पर गंदगी न फैलने पाये। जनता का योगदान काफी सराहनीय है और वह अपेक्षा करती हैं कि नगर की जनता सदैव इसी तरह स्वच्छता अभियान में सहयोग करते हुए नगर पालिका को यूपी में सर्वोच्च स्थान पर ले जाने का काम करती रहे। उन्होंने कहा यह सम्मान जो शाहाबाद नगर पालिका को मिला है इसके लिए वह अपने सभी सम्मानित सभासदों, पालिका कर्मचारियों का आभार व्यक्त करती हैं।

सांड ने बुजुर्ग को पटककर मार डाला

वाराणसी। बुधवार को घर के बाहर धूप ले रहे बुजुर्ग पर सांड ने अचानक हमला कर दिया और सींग से उठाकर पटक दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन–फानन में परिजन इलाज के लिए अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना मोहन सराय के ब्राह्मण बस्ती की है।

ब्राह्मण बस्ती के रहने वाले कृष्ण देव उर्फ हीरा मिश्रा (103) अपने घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान पीछे से आए सांड ने उनको उठाकर पटक दिया और पटकने के बाद भी हमला करता रहा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। चिल्लाने की आवाज सुनकर पहुंचे परिजनों ने सांड को मारकर भगाया और गंभीर रूप से घायल हीरा लाल मिश्र को इलाज के लिए परिवार वाले हैरिटेज हॉस्पिटल ले गए। जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हीरा लाल मिश्र की मौत सूचना मिलने पर गांव में शोक की लहर छा गई और परिवार वालों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान सहित क्षेत्र के लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की।पूर्ण की जायेगी। 20 फरवरी 2024 तक जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन किया जायेगा। उन्होंने समस्त नोडल अधिकारियों, छात्रवृत्ति योजना, समस्त शिक्षण संस्थाओं से कहा है कि निर्धारित तिथि के अनुसार शैक्षिक सत्र–2023–24 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा–9–10 का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

15 दिन से बंद है दिल्ली गेट पर गैस सप्लाई,ग्रीन गैस ने ढाबों, रेस्टोरेंट और होटलों के कनेक्शन काटे

आगरा। दिल्ली गेट पर पिछले 15 दिन से ग्रीन गैस सप्लाई बंद है। ढाबे, रेस्टोरेंट और होटल संचालक परेशान हैं। कमर्शियल सिलेंडर इस्तेमाल कर रहे हैं। ग्रीन गैस की तरफ से सिक्योरिटी जमा करने के नोटिस भेजे गए हैं। उपभोक्ता परेशान हैं कि बिना पाइपलाइन बदले और बिना मरम्मत के सिक्योरिटी क्यों मांगी जा रही है। जबकि सिक्योरिटी 10 साल पहले ही जमा करा चुके हैं। दिल्ली गेट पर राजामंडी स्टेशन की तरफ जाने वाली सड़क पर दो दर्जन से ज्यादा ढाबे, होटल और रेस्टोरेंट हैं। इनमें से लगभग सात–आठ ढाबों, रेस्टोरेंट और होटलों में पिछले 10 साल से ग्रीन गैस लिमिटेड की तरफ से पाइपलाइन के माध्यम से आने वाली गैस का इस्तेमाल कर रहे हैं। बाकियों में इंडियन ऑयल के कमर्शियल सिलेंडर इस्तेमाल किए जाते हैं। इन ढाबों पर हर रोज सुबह से रात तक पांच से छह हजार लोग खाना खाते हैं। इनमें से कई रेस्टोरेंट और ढाबों पर नौकरी करने वाले लोग नियमित रूप से पहुंचते हैं। इसके अलावा राजामंडी स्टेशन पर उतरने वाले यात्री भी यहीं खाना खाते हैं। आसपास के कस्बों और शहरों से आगरा में रहकर पढ़ाई कर छात्र, परिवार भी इन्हीं ढाबों पर खाना खाने पहुंचते हैं। रात में यहां गाड़ियों की लाइन लगी रहती है। खाने के लिए लाइन लगी रहती है। ढाबा संचालकों ने बताया कि एक दिन का दो से तीन हजार रुपये का गैस का खर्चा है। इस हिसाब से महीने का 60 हजार रुपये का बिल आता है। 10 साल पहले जब कनेक्शन लिया था, तब 25 हजार रुपये सिक्योरिटी मनी जमा कराई थी। उसके बाद से आज तक यहां गैस पाइप लाइन नहीं बदली गई है। ना ही मरम्मत की गई है। होटल ईस्टलाइट के मैनेजर प्रशांत कुमार ने बताया कि ग्रीन गैस की सप्लाई बहुत परेशान करती है। पहले भी कई बार बिना जानकारी के बंद कर दी जाती थी। अब भी 15 दिन पहले सप्लाई बंद कर दी गई। दो दिन पहले बिना जानकारी के कनेक्शन काट दिए गए। ग्रीन गैस के कर्मचारी हर दूसरे दिन रीडिंग लेने आ जाते हैं जबकि पिछले 15 दिन से गैस सप्लाई बंद है। पापा जी ढाबा के मालिक ईश कुमार ने बताया कि 10 साल पहले हमारे यहां ग्रीन गैस का कमर्शियल कनेक्शन लगाया गया था। तब बहुत वायदे किए गए थे। 25 हजार रुपये सिक्योरिटी मनी के जमा कराए थे। अब एक नोटिस और आ गया है कि 58 हजार से ज्यादा रुपये जमा कराने हैं। जिसमें से 25 हजार जमा करा चुके हैं, बाकी के 33 हजार रुपये जमा कराने हैं। ईश कुमार का कहना है कि कनेक्शन देते समय नहीं बताया गया था कि दोबारा से पैसे जमा कराने होंगे। हर महीने समय से बिल जमा कराते हैं। दिल्ली गेट के ढाबा संचालकों ने बताया कि 15 दिन पहले यह काटकर सप्लाई बंद की गई थी कि घरेलू सप्लाई धीमी हो रही है। इसलिए कमर्शियल सप्लाई को बंद किया जा रहा है। होटल के सिक्योरिटी इंचार्ज श्रीभगवान ने बताया कि कमर्शियल का घरेलू से क्या कनेक्शन है, यह हमें नहीं पता। लेकिन दो दिन पहले आकर कनेक्शन काट गए हैं। हमें जानकारी भी नहीं दी गई। अब सभी को कमर्शियल सिलेंडर इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं, जो महंगे पड़ रहे हैं।

ढाबा, रेस्टोरेंट और होटल संचालकों ने कमर्शियल कनेक्शन मैनेजर किशन से मुलाकात की। समस्या बताई, जिसपर उनसे दो दिन का समय मांगा गया है। उन्हें कहा गया है कि दो दिन में समस्या खत्म करा दी जाएगी।

बस चला रहे ड्राइवर को आया हार्ट अटैक, रोडवेज ने 5 को रौंदा,3 की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में रोडवेज बस चलाते वक्त ड्राइवर को हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद 30 सवारियों से भरी बस बेकाबू हो गई और आगे जा रहे 5 बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में 3 की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 1 की हालत गंभीर है। सवारियों ने ही किसी तरह से बस को रोका। ड्राइवर को अस्पताल ले गए, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के वक्त बस की स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटे थी। हादसा दनकौर रेलवे स्टेशन के नजदीक मंडी श्याम नगर के पुल के पास दोपहर 12.20 बजे हुआ। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों ने नोएडा–लखनऊ हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत किया। रोडवेज बस बुलंदशहर डिपो की है। हादसे के वक्त बस नोएडा से बुलंदशहर जा रही थी। दनकौर रेलवे स्टेशन के पास अचानक ड्राइवर ब्रह्म सिंह के सीने में दर्द हुआ और उसने बस से नियंत्रण खो दिया। जब तक वह कुछ समझ नहीं पाया कि उसे क्या हुआ? बस ने दो बाइकों को टक्कर मारी और रौंद दिया, तब यात्रियों का ध्यान ड्राइवर पर गया। देखा कि ड्राइवर बेसुध पड़ा है। उन्हीं यात्रियों में से कुछ लोगों ने किसी तरह से बस में ब्रेक लगाया। हाईवे पर दुकान चलाने वाले दुकानदार ने बताया, मैं दुकान पर बैठा था, तभी करीब 50 की स्पीड में बस लहराते हुए हाईवे पर दौड़ती नजर आई। जब तक हम लोग कुछ समझ पाते, तब तक बस ने आगे जा रही दो बाइकों को टक्कर मार दी। दो बाइकों पर 2–2 लोग सवार थे, जिनमें 3 के ऊपर पहिया चढ़ गया। हादसे के बाद सवारियों ने किसी तरह बस रोकी, तब जाकर हम लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। देखा तो बस का चालक बेहोश था। इसके साथ ही सवारियों में चीख पुकार मची थी। दुकानदार ने बताया, हादसे के बाद एक–एक कर सभी सवारियां नीचे उतरीं, तब तक पुलिस मौके पर आ गई और चालक व बाइक सवार 4 लोगों को जीप से गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले गई। जीआईएमएस में बाइक सवार 3 लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि बस चालक और घायल 1 शख्स का इलाज चल रहा है। बस के ड्राइवर की पहचान बुलंदशहर के सलेमपुर के निवासी ब्रह्म सिंह (38) के रूप में हुई है, जबकि बाइक सवार मृतकों की पहचान सुशील (35), बुलंदशहर निवासी करन (32) और हाथरस निवासी बदन सिंह (37) के रूप में हुई है। जबकि एटा के रहने वाले कमलेश (39) घायल हैं। बदन और कमलेश आपस में जीजा साले हैं। दूसरी बाइक पर सवार करन और सुशील दोस्त थे। करन दनकौर में बहन के यहां रहकर दिल्ली पुलिस में भर्ती की तैयारी कर रहा था। एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया,ष्दनकौर में पुल के पास हुआ है। बाइक सवार 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि बस चालक और एक बाइक सवार कमलेश का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मृतकों को परिवार के लोगों को समझाया गया है, वे लोग मान गए हैं। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद करेंगे पीएम,

जोनल कमिश्नर और पुलिस कमिश्नर ने कार्यक्रम स्थल पर परखे इंतजाम, सुरक्षा के मानक जांचे

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 राज्यों में भाजपा की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आ रहे हैं। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं और पुलिस प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हो गया है। छावनी स्थित टेक्निकल ग्राउंड में पंडाल लगाने, बैरीकेडिंग व पार्किंग का काम शुरू भी हो गया। इसके लिए ट्रकों से टेंट के सामान पहुंचे। पीएम मोदी 43वें दौरे पर 17 और 18 दिसंबर को काशी में कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। एयरपोर्ट से उतरकर पीएम सबसे पहले विकसित भारत संकल्प यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी देखेंगे। इसके बाद लाभार्थी वर्ग के साथ संवाद करेंगे। पीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर बुधवार दोपहर मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा पुलिस आयुक्त अशोक मुथा जैन ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पीएम की सुरक्षा मानक के अुनसार कार्यों को करने के निर्देश दिए। लाभार्थियों की मौजूदगी और आवागमन का रूट भी जांचा। जिला प्रशासन के तमाम वरिष्ठ अधिकारियों ने छावनी स्थित टेक्निकल ग्राउंड में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवागमन से जुड़े मार्गों के मरम्मत आदि का निर्देश छावनी परिषद को दिया गया। इस दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त डाक्टर के.एलिजरसन डीसीपी अमित कुमार,एडीसीपी मनीष शांडिल्य एसीपी डाक्टर अतुल अंजान त्रिपाठी कैण्ट थाना प्रभारी निरीक्षक अजय राज शर्मा कैण्ट समेत छावनी परिषद के ऑफिस सुपरिटेंडेंट रामलखन सेनेटरी इंस्पेक्टर रियाजुल रहमान, पवन, प्रशांत मौजूद रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।